राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 05 जून 2026
वर्ष 14, अंक 56, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

SM NET समन्वयकों ने आज उप मुख्य मंत्री बृजेश पाठक को ज्ञापन सौंप कर सेवा बहाली की मांग उठाई...03

भारत के जिगरी दोस्त पर पहले किया हमला, फिर जारी किया वीडियो...04

आग लगते ही क्यों 'मौत की भट्ठी' बना दिल्ली का होटल?

- Flourish Stay की वो तीन खामियां जो बनीं 21 लोगों के लिए काल
- अवैध होटल में छत का दरवाजा बंद मिला, बचाव मुश्किल हुआ
- डबल लेयर शीशे वाली खिड़कियों ने बचाव कार्य में बाधा डाली

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के हौजरानी इलाके में 'फ्लरिश स्टे' नाम से चल रहे एक अवैध होटल में लगी भीषण आग ने सुरक्षा व्यवस्थाओं और बिल्डिंग बायलॉज की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग की संयुक्त शुरुआती जांच में होटल प्रबंधन की रोंगटे खड़े कर देने वाली खामियां उजागर हुई हैं।

जांच अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि यदि होटल में सुरक्षा के न्यूनतम मानकों का भी पालन किया गया होता, तो मरने वालों का आंकड़ा इतना बड़ा नहीं होता। अव्यवस्थाओं का आलम यह था कि आग लगने के बाद न तो अंदर फंसे लोग खुद बाहर निकल पाए और न ही राहत कार्य में जुटे फायर कर्मी, एनडीआरएफ व दिल्ली पुलिस के जवान समय रहते उन्हें सुरक्षित निकाल सके।

मौत का जाल साबित हुईं ये तीन बड़ी खामियां

1. छत के दरवाजे पर लटका था ताला:

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब आठ बजे जब होटल में आग लगी, तब सीढ़ियों से छत पर जाने वाले मुख्य दरवाजे पर ताला जड़ा हुआ था। यदि यह दरवाजा खुला होता, तो अधिकांश लोग छत पर भागकर अपनी जान बचा सकते थे।

चूंकि हौजरानी में आसपास की इमारतों की छतें एक-दूसरे से सटी हुई हैं, लोग आसानी से दूसरी बिल्डिंग की छत पर कूदकर सुरक्षित निकल जाते।

2. डबल लेयर शीशों से पैक थीं खिड़कियां, वेंटिलेशन शून्य:

नियमों के मुताबिक होटलों और गेस्ट हाउसों में पर्याप्त वेंटिलेशन होना अनिवार्य है, लेकिन इस अवैध होटल में वेंटिलेशन का नामोनिशान नहीं था। पूरी इमारत और खिड़कियां 'डबल लेयर' (दोहरी परत) के मजबूत शीशों से पूरी तरह पैक थीं।

सुरक्षा कारणों से व्यावसायिक भवनों की खिड़कियों में ऐसे शीशे नहीं लगाए जाते। आग लगने के बाद पुलिस और फायर कर्मियों को इन्हें तोड़ने में भारी मशक्कत करनी पड़ी।

पहले ईंट, पत्थरों और लोहे के डंडों से पहली परत को तोड़ा गया, फिर दूसरी परत को भेदने में कीमती समय बर्बाद हो गया, जिससे बचाव अभियान में देरी हुई।

3. पीछे की तरफ थीं सीढ़ियां, इमरजेंसी गेट नदारद:

कमर्शियल गतिविधियों वाली इमारतों में सीढ़ियां हमेशा आगे की तरफ होनी चाहिए ताकि आपात स्थिति में लोग तुरंत बाहर भाग सकें। इसके विपरीत, इस होटल में सीढ़ियां पीछे की तरफ छिपी हुई थीं, जहां धुआं भरने के बाद भागना नामुमकिन हो गया।

इसके अलावा, पूरी बिल्डिंग में कोई भी आपातकालीन निकास द्वार नहीं था। जांच में होटल की एकमात्र लिफ्ट भी बेसमेंट में फंसी हुई पाई गई।

बेसमेंट में शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

शुरुआती तफ्तीश में पुलिस को आशंका है कि आग सबसे पहले बेसमेंट में शार्ट सर्किट के कारण लगी, जिसने देखते ही देखते ऊपर की मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, फायर विभाग की टीम अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और विस्तृत वैज्ञानिक जांच जारी है।

60 स्मार्टफोन, 35 से अधिक पासपोर्ट बरामद

कागजों में हेरफेर कर बनाई गई इस पांच मंजिला अवैध इमारत के कोने-कोने का इस्तेमाल व्यावसायिक मुनाफे के लिए किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि बेसमेंट में किचन, डाइनिंग एरिया और चार कमरे, ग्राउंड फ्लोर पर एक किचन और दो कमरे, पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर पांच-पांच कमरे थे।

चौथी और पांचवीं मंजिल में प्रत्येक पर दो-दो कमरे (जिसमें दो सर्वेंट क्वार्टर शामिल हैं)। इस प्रकार पूरी बिल्डिंग में कुल 25 कमरे अवैध रूप से संचालित थे। हादसे के वक्त होटल पूरी तरह पैक था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

कमरों की तलाशी के दौरान पुलिस को करीब 60 स्मार्टफोन, कीमती सामान और विदेशी नागरिकों के 35 से अधिक पासपोर्ट बरामद हुए हैं। कुछ पासपोर्ट जांच के बाद उनके मालिकों को सौंप दिए गए हैं और बाकी थाने में सुरक्षित जमा हैं। राहत की बात यह रही कि किसी का पासपोर्ट आग में नहीं जला।

दिल्ली पुलिस ने कसा शिकंजा, तीन विभागों को लिखा पत्र

मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने नगर निगम, बिजली कंपनी बीएसइएस और दक्षिण जिले के जिलाधिकारी को पत्र लिखकर कड़ा रुख अपनाया है।

एमसीडी से बिल्डिंग का स्ट्रक्चरल सर्वे करने को कहा गया है ताकि पता चल सके कि आग के बाद क्या यह इमारत ढहने की स्थिति में है या रहने लायक बची है। बीएसइएस से बिजली कनेक्शन के वैध दस्तावेजों और शार्ट सर्किट के कारणों की तकनीकी रिपोर्ट मांगी गई है। डीएम (साउथ) से पूरी बिल्डिंग का आधिकारिक निरीक्षण करने तथा होटल की रजिस्ट्री व भूमि उपयोग से जुड़े दस्तावेजों की गहनता से जांच करने का अनुरोध किया गया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट जाएँः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

- याचिकाकर्ता ने अमेरिका में रह रहे पुणे निवासी अभिजीत दीपके पर आरोप लगाया था कि उन्होंने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की स्थापना की है, जो राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त है

लखनऊ बेंच ने याचिकाकर्ता का पता देखने पर कहा कि यहां के क्षेत्राधिकार में नहीं है. हाईकोर्ट ने शख्स को कर्नाटक हाईकोर्ट जाने को कहा है. याचिका में एनआईए और ईडी जांच की मांग की थी

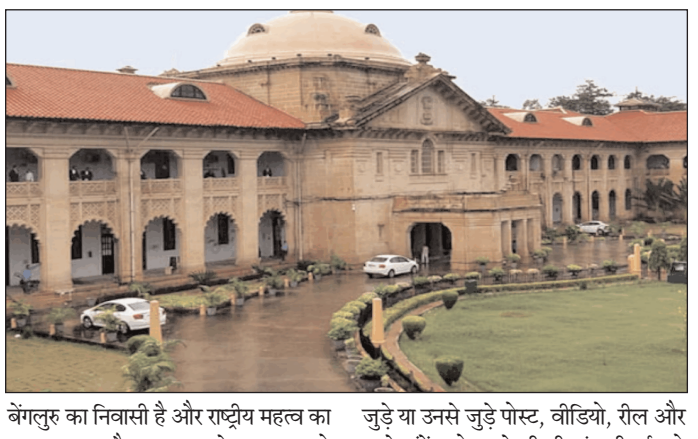

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के खिलाफ मल्टी-एजेंसी जांच और इसके फाउंडर अभिजीत दिपके को अमेरिका से भारत लाने की मांग वाली पिटीशन पर सुनवाई करने से मना कर दिया। जस्टिस शेखर बी सराफ और जस्टिस अबदेश कुमार चौधरी की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता भारतीय जनता पार्टी (BJP) के कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर, जो कर्नाटक के रहने वाले हैं, को वहां के हाईकोर्ट जाना चाहिए था।

बेंच ने कहा 'रिट पिटीशन को देखने पर, पहली बात जो हमें समझ में आई, वह यह है कि पिटीशनर बेंगलुरु का परमानेंट निवासी है। केस टाइटल और एफिडेविट में, पिटीशनर ने अपना पता बेंगलुरु-560020 दिखाया है। हमारे हिसाब से, याचिकाकर्ता, जो बेंगलुरु का निवासी है और राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा उठा रहा है, अगर वह ऐसा चाहता तो उसे पहले कर्नाटक हाई कोर्ट जाना चाहिए था। 'कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले के तथ्य उत्तर प्रदेश से संबंधित नहीं थे।

कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले के तथ्य उत्तर प्रदेश से संबंधित नहीं थे। 'मौजूदा रिट पिटीशन में, हमें उत्तर प्रदेश राज्य के बारे में कुछ भी खास नहीं मिला, और इसलिए, हमारा मानना है कि फोरम नॉन कन्वीनियंस के कारण रिट पिटीशन इस कोर्ट के सामने मेंटेनेबल नहीं है।' कोर्ट ने कहा कि पहले भी कई बार शिशिर ने साफ-साफ कहा है कि वह बेंगलुरु का रहने वाला है और 'इस आधार पर कि वह बेंगलुरु से है, इस कोर्ट से छूट और रियायत मांगी है।

कॉकरोच जनता पार्टी पिछले महीने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर युवा यूज़र्स के बीच एक सटायरिकल मूवमेंट के तौर पर सामने आई। हालांकि, केंद्र सरकार ने सिक्योरिटी चिंताओं का हवाला देते हुए ङ्क ष्टश्वह्श्च का ट्विटर अकाउंट बंद करने को कहा है।

उनकी याचिका में दिपके और CJP से जुड़े या उनसे जुड़े पोस्ट, वीडियो, रील और दूसरे कंटेंट को हटाने की भी मांग की गई, जो सुप्रीम कोर्ट की बातों का गलत इस्तेमाल करते हैं, उन्हें तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं या गलत तरीके से दिखाते हैं। CJP मूवमेंट 15 मई को सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही से शुरू हुआ था, जिसमें CJI सूर्यकांत ने बेरोज़गार युवाओं के सोशल मीडिया और RTI एक्टिविज़्म की ओर बढ़ रहे लोगों पर चिंता जताई थी। CJI कांत ने अपनी मौखिक टिप्पणियों में कहा कि ऐसे युवा 'कॉकरोच की तरह' समाज में पैरासाइट बन रहे हैं। CJI कांत ने बाद में साफ़ किया कि वह उन लोगों की बात कर रहे थे जिनके पास नकली डिग्री है और जो ऐसी गतिविधियों में शामिल हैं। हाईकोर्ट में अपनी पिटीशन में, शिशिर ने कोर्ट से गुज़ारिश की कि CJP और उसके फाउंडर डिपके द्वारा चलाए जा रहे कथित 'विदेशी फंडेड इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर कैंपेन' की जांच के लिए मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स की देखरेख में इंटेलिजेंस और इन्वेस्टिगेशन एजेंसियों के सीनियर अधिकारियों वाली एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई जाए।

संक्षिप्त ख़बरें

रामबाग में किराए के मकान में मिला व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

मिर्जापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रामबाग स्थित एक मकान में व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राकेश पटेल (50 वर्ष) निवासी मऊगंज, मध्यप्रदेश के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश पटेल पिछले करीब 30 वर्षों से न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी में जनरेटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। वह रामबाग पेट्रोल पंप के समीप ओमप्रकाश यादव के मकान में परिवार सहित किराए पर रह रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाल दयाशंकर ओझा, अस्पताल चौकी प्रभारी विनय कुमार दूबे एवं पुलिस टीम मौके परिवार पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कचहरी गेट पर महिला से 20 हजार की रंगदारी वसूली

राजीनामा न करने पर दी जान से मारने की धमकी

कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

ललितपुर। कचहरी के बाहर एक महिला और उसकी बेटी को रोककर पुराने मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव बनाने तथा जान से मारने की धमकी देकर 20 हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कल्यानपुरा निवासी एवं वर्तमान में आजादपुरा में रह रही कपूरी पत्नी अंगद शनिवार को अपनी पुत्री रश्मि राजपूत के साथ एक पुराने मुकदमे की तारीख की जानकारी लेने कचहरी पहुंची थीं। आरोप है कि जब वह कचहरी परिसर के मुख्य गेट के बाहर पहुंचीं, तभी वहां पहले से मौजूद पलैया कालोनी निवासी अरविंद एवं संतोष पुत्र सुरेश कुशवाहा ने उन्हें रोक लिया। पीड़िता के अनुसार दोनों आरोपियों ने उनके द्वारा पूर्व में दर्ज कराए गए मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव बनाया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि मुकदमे में उनके 20 हजार रुपये खर्च हुए हैं और वह रकम तत्काल वापस करनी होगी। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

कोई अपराध नहीं: दिल्ली कोर्ट ने आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिंडाल्को के खिलाफ कोयला घोटाला केस बंद किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। दिल्ली की एक कोर्ट ने आदित्य बिड़ला ग्रुप की एल्युमीनियम और तांबा बनाने वाली कंपनी हिंडाल्को के खिलाफ सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक दशक पुराने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले को बंद कर दिया।राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज (पीसी एक्ट) धीरज मोर ने कंपनी के पूर्व प्रेसिडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) एस.के. तमोतिया और जनरल मैनेजर (कॉर्पोरेट अफेयर्स) पी.आर.एस. मणि के खिलाफ भी केस बंद कर दिया।

कोर्ट ने फैसला सुनाया कि सीबीआई यह साबित करने में नाकाम रही कि आरोपियों द्वारा किया गया कोई भी काम गैर-कानूनी था, और केंद्रीय एजेंसी आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी या आपराधिक साज़िश का कोई प्रथम दृष्टया मामला साबित नहीं कर सकी। कोर्ट ने 30 मई के अपने आदेश में कहा, 'इसकी गैर-मौजूदगी में, रिकॉर्ड पर न तो कोई सबूत है और न ही यह मानने का कोई उचित कारण है कि उन्होंने आपराधिक विश्वासघात या धोखाधड़ी सहित किसी भी गैर-कानूनी काम को करने के लिए आपराधिक साज़िश रची थी। इसलिए, वे उक्त अपराध से बरी होने के हकदार हैं।

यह मामला उन आरोपों पर केंद्रित था कि हिंडाल्को ने ओडिशा में 1994 में आवंटित तालाबिरा-द्वृ कोयला ब्लॉक से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया था। कंपनी ने खदान से निकाले गए कोयले का इस्तेमाल केवल प्रस्तावित बिजली परियोजनाओं में करने के बजाय, हीराकुंड में अपने मौजूदा 67.5 MW के कैप्टिव पावर प्लांट में भी किया था। आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2004-05 से 2010-11 के दौरान, कंपनी ने अपने अनुमानित कोयला भंडार (लगभग 15 मिलियन टन) से 4.80 मिलियन टन अधिक कोयला निकाला, जिससे उसे इस प्रक्रिया में अनुचित लाभ हुआ।

सीबीआई ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के अधिकारियों ने संशोधित खनन योजना की मंजूरी मांगते समय कोयला मंत्रालय के सामने गुमराह करने वाली बातें रखीं। कोर्ट ने कहा, 'इस संबंध में लगाए गए आरोप भी बेबुनियाद हैं और उन्हें खारिज किया जाना चाहिए। 'इसलिए, कोर्ट ने तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

हौजरानी अग्निकांड के बाद बड़ा फैसला: दिल्ली सरकार ने बंद की B&B योजना, नए लाइसेंस पर रोक

नई दिल्ली। हौजरानी अग्निकांड के बाद दिल्ली सरकार ने बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) योजना को वापस ले लिया है, कोई भी नया लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा का कहना है कि इस योजना के अंतर्गत संचालित सभी इकाइयों की समीक्षा की जाएगी। लाइसेंस का उल्लंघन करने वाले संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि इस योजना के अंतर्गत कोई भी प्रतिष्ठान छह से अधिक कमरे संचालित करता हुआ पाया गया तो उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

छह की जगह बने थे 25 कमरे

हौजरानी के जिस होटल में आग लगी उसे बीएंडबी के अंतर्गत छह कमरे संचालित करने का लाइसेंस था। इसकी जगह 25 कमरे बनाकर अवैध होटल चलाया जा रहा था। पर्यटन विभाग की जिम्मेदारी काफी हद तक लाइसेंस देने, उनके नवीनीकरण और निरीक्षण के दौरान नियमों के पालन की जांच तक सीमित है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले माह ही पर्यटन विभाग ने इस योजना में कई बदलाव करते हुए एक मसौदा नीति जारी किया था। इस योजना के अंतर्गत 432 संपत्तियों में 22 सौ से अधिक कमरे पंजीकृत हैं।

यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान, अधिक मूल्य व जिंक खरीदने का दबाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद के कस्बा आर्यनगर, गोपालबाग, मंगलनगर, गोकरननाथ शिवाला, मल्लापुर, कौड़ियां सहित विभिन्न क्षेत्रों में किसानों को यूरिया खाद के लिए भटकना पड़ रहा है। खरीफ सीजन में धान, गन्ना, मक्का एवं अन्य फसलों के लिए यूरिया की बढ़ी मांग के बीच किसानों ने खाद विक्रेताओं पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली और अतिरिक्त सामग्री खरीदने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। किसानों का कहना है कि एक बोरी यूरिया खाद का निर्धारित मूल्य लगभग 290 रुपये है, लेकिन कई दुकानों पर यूरिया के साथ 100 रुपये का जिंक पैकेट खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि जिंक खरीदने से मना करने पर यूरिया खाद नहीं दी जा रही है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। क्षेत्रीय किसानों के अनुसार सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध न होने के कारण उन्हें निजी दुकानों का सहारा लेना पड़ रहा है। ऐसे में कुछ विक्रेता खाद की मांग का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं, जिससे किसानों में नाराजगी है।

इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार के दबाव में आकर जिंक या अन्य सामग्री खरीदने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि किसी विक्रेता द्वारा यूरिया खाद के साथ जबरन अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है या निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की जाती है, तो इसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें। जिला कृषि अधिकारी ने कहा, 'कोई भी किसान दबाव में आकर अतिरिक्त सामग्री न खरीदे। यदि कहीं ऐसी शिकायत मिलती है तो तत्काल मुझे अवगत कराएं, संबंधित विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। 'किसानों ने प्रशासन से खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और दोषी विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसानों को निर्धारित मूल्य पर आसानी से यूरिया खाद उपलब्ध हो सके।

जेवर एयरपोर्ट फ्लाईओवर निर्माण में बड़ा हादसा, फरीदाबाद में क्रेन पलटने से कई मजदूर दबे; एक की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरीदाबाद। पनहेड़ा खुर्द गांव के पास जेवर एयरपोर्ट से जुड़े फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। गार्डर उठाने में लगी एक भारी क्रेन अचानक असंतुलित होकर पलट गई, जिससे निर्माण स्थल पर काम कर रहे कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई है और 4 और के फंसे होने की आशंका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम हुई तेज बारिश के कारण निर्माण स्थल पर कीचड़ और फिसलन हो गई थी। बारिश थमने के बाद मजदूर दोबारा काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान फ्लाईओवर के लिए गार्डर उठाने का काम चल रहा था कि अचानक भारी क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह भरभराकर जमीन पर पलट गई। उस समय मौके पर करीब छह से सात मजदूर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि इनमें से तीन से चार मजदूर क्रेन के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, निर्माण कंपनी के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। क्रेन के नीचे फंसे मजदूरों को निकालने के लिए मशीनों और अन्य संसाधनों की मदद ली गई। बचाव दल ने घायलों को बाहर निकालकर तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया है।

बारिश के कारण बिगड़ा क्रेन का संतुलन

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के कारण जमीन नरम और दलदली हो गई थी, जिससे क्रेन का संतुलन बिगड़ सकता है। वहीं कुछ मजदूरों की मौत की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि देर शाम तक प्रशासन या पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। बचाव अभियान पूरा होने और सभी मजदूरों की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही नुकसान का सही आंकड़ा सामने आ सकेगा। फिलहाल प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

मालवीय नगर में आग लगने पर होटल पहुंचा था मालिक लवकेश बजाज, मौत का आंकड़ा बढ़ा तो उल्टे पांव भागा

- दिल्ली के मालवीय नगर स्थित रेस्टोरेंट में बुधवार सुबह करीब 8 बजे लगी आग में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक रेस्टोरेंट और होटल में भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई है. यह आग मालवीय नगर के फ्लोरिश स्टे B&B नाम के होटल में सुबह करीब 8:48 बजे लगी. देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं. दमकल विभाग ने 8 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया. इस भीषण हादसे में 40 से ज्यादा लोगों का सफल रेस्क्यू किया गया है. रेस्क्यू किए गए लोगों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई.

Hotel Flourish Stays की बिल्डिंग कैसे बन गई मौत का कुआं?

आग बुझाने के बाद, चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष कुमार मलिक ने इस बिल्डिंग का जायजा लिया. अभिलाष कुमार मलिक ने कहा, 'बिल्डिंग में बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर के अलावा पांच मंजिलें हैं.' इस पूरी बिल्डिंग में सिर्फ एक सीढ़ी और एक एलिवेटर मौजूद है. बिल्डिंग पूरी तरह से सील थी और इसमें वेंटिलेशन का कोई इंतजाम नहीं था. बाथरूम की खिड़कियों सहित सभी खिड़कियां पूरी तरह से बंद थीं. आग लगने पर ऐसी बिल्डिंग एक चिमनी की तरह काम करती है। एक ही सीढ़ी होने के कारण धुआं और गर्मी तुरंत ऊपर की मंजिलों तक पहुंच गई. धुएं के कारण लोगों को बाहर निकलने का समय ही नहीं मिला. दमकल अधिकारियों के मुताबिक बिल्डिंग में अंदरूनी फायर प्रोटेक्शन सिस्टम भी नहीं था. एक दमकल कर्मी भी रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान घायल हो गया।

मालवीय नगर के होटल में कैसे लगी आग, अब तक क्या हुआ?

» दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल फ्लोरिश स्टेज में बुधवार सुबह आग लग गई।

» दमकल विभाग को सुबह 8:50 बजे इस भयंकर आग की सूचना मिली।

» दमकल विभाग की 8 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया।

» इस हादसे में अब तक 21 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है।

» रेस्क्यू ऑपरेशन में 40 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

» घायलों को मैक्स अस्पताल सहित अन्य नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

» दिल्ली पुलिस ने होटल के मालिक लोकेश बजाज के खिलाफ केस दर्ज किया है।

» मारे गए लोगों में 11 विदेशी नागरिकों के शामिल होने का पता चला है।

» अस्पताल में भर्ती घायलों की कैसी है हालत और डॉक्टर क्या बता रहे हैं?

मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ संदीप बुधिराजा ने घायलों की जानकारी दी है. डॉ संदीप बुधिराजा ने कहा, 'वेंटिलेटर पर रखे गए 7 या 8 मरीजों की हालत बेहद नाजुक है।' अस्पताल में भर्ती मरीजों की उम्र 30 से 50 साल के बीच है. केवल एक या दो मरीजों को ही गंभीर रूप से जलने की चोटें आई हैं। ज्यादातर मरीजों को धुएं के कारण फेफड़ों में समस्या हुई है। इस हादसे के बाद कई परिवार अपने परिजनों को ढूंढ रहे हैं. एक परिजन ने बताया कि उनकी 42 वर्षीय बेटी तारिणी अग्रवाल और दो पोतियां लापता हैं. अस्पताल प्रशासन और पुलिस से उन्हें कोई साफ जानकारी नहीं मिल पा रही है।

आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय रुद्रम-2

भारत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अब केवल सैन्य उपकरणों का आयात करने वाला राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि अत्याधुनिक सैन्य तकनीक विकसित करने वाला एक प्रमुख देश बन चुका है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन जिसे हम डीआरडीओ के नाम से जानते हैं और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयासों ने देश के रक्षा इतिहास में एक बेहद गौरवशाली पन्ना जोड़ा है। हाल ही में हवा से जमीन पर मार करने वाली देश की सबसे आधुनिक एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल परीक्षण किया गया है। यह परीक्षण ओडिशा के तट पर किया गया जहाँ भारतीय वायुसेना के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई-30 मार्क(वन) का उपयोग किया गया। परीक्षण पूरी तरह से अपने सभी मानकों पर खरा उतरा। इस दौरान मिसाइल की प्रोपल्शन प्रणाली, नियंत्रण तंत्र और इसकी गाइडेंस तकनीक ने एकदम सटीक तरीके से काम किया और अपने निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदा। यह सफलता केवल एक हथियार का परीक्षण नहीं है, बल्कि यह देश की सामरिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ी छलांग है।

वर्तमान समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह से बदल चुका है। आज की सैन्य लड़ाइयाँ केवल सैनिकों की संख्या या टैंकों के बल पर नहीं जीती जाती हैं। आज का युद्ध मुख्य रूप से तकनीक, निगरानी क्षमता और रडार नेटवर्क पर निर्भर करता है। जिस देश का रडार नेटवर्क और हवाई रक्षा तंत्र जितना मजबूत होता है, वह युद्ध के मैदान में उतना ही अधिक हावी रहता है। इसी कारण से किसी भी सैन्य संघर्ष में सबसे पहली रणनीति दुश्मन की आंखों और कानों को यानी उसके रडार और संचार प्रणालियों को नष्ट करने की होती है। ऐसी परिस्थिति में रुद्रम-2 जैसी उच्च तकनीक वाली मिसाइलों का महत्व बहुत बढ़ जाता है। इस मिसाइल को विशेष रूप से दुश्मन के रडार, उसके वायु रक्षा तंत्र, संचार नेटवर्क और ऐसी किसी भी प्रणाली को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी उत्सर्जित करती है।

पारंपरिक मिसाइलें आमतौर पर किसी पूर्व निर्धारित लक्ष्य या स्थान पर हमला करती हैं, लेकिन एक एंटी रेडिएशन मिसाइल का काम करने का तरीका बिल्कुल अलग और बेहद जटिल होता है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार या संचार उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों को हवा में ही पकड़ लेती है। एक बार जब यह उन तरंगों को पहचान लेती है, तो यह उन्हीं संकेतों का पीछा करते हुए सीधा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि अगर दुश्मन का रडार ऑपरेटर हमले की भनक लगते ही अपना रडार बंद भी कर दे, ताकि मिसाइल को संकेत मिलना बंद हो जाएं, तब भी यह मिसाइल दिशा नहीं भटकती। इसके भीतर एक ऐसी उन्नत प्रणाली लगी है जो रडार के अंतिम सक्रिय स्थान को अपनी मेमोरी में दर्ज कर लेती है और रडार बंद होने के बावजूद उसी स्थान पर जाकर भारी तबाही मचाती है। मिसाइल की यही खूबी इसे दुनिया के सबसे घातक हथियारों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देती है। रुद्रम-2 की एक और सबसे बड़ी ताकत इसकी मारक क्षमता और गति है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से अपने लक्ष्य को भेद सकती है। इसके साथ ही इसकी गति मैक 5.5 तक पहुंच सकती है, जिसका मतलब है कि यह ध्वनि की गति से साढ़े पांच गुना अधिक तेजी से उड़ान भरती है। इतनी अधिक गति के कारण दुश्मन के पास इससे बचने या जवाबी कार्रवाई करने का कोई समय नहीं बचता। 300 किलोमीटर की लंबी रेंज का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों को दुश्मन के रडार को नष्ट करने के लिए उसकी सीमा में बहुत अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे सुरक्षित दूरी से ही मिसाइल दागकर दुश्मन के हवाई रक्षा तंत्र को तबाह कर सकते हैं, जिससे हमारे पायलटों और विमानों की सुरक्षा कई गुना सुनिश्चित हो जाती है।

आधुनिक समय में लड़े जा रहे युद्धों में यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि किसी भी देश की सुरक्षा के लिए उसका एयर डिफेंस नेटवर्क सबसे अहम होता है। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में भी यह देखा गया है कि जिस देश का हवाई रक्षा तंत्र सक्रिय रहता है, वहां दुश्मन के विमानों का प्रवेश करना लगभग असंभव हो जाता है। इसलिए वायुसेनाएं एक विशेष रणनीति का पालन करती हैं जिसे एसईएडी कहा जाता है। इसका अर्थ होता है दुश्मन के हवाई रक्षा तंत्र को पूरी तरह से कुचल देना या निष्क्रिय कर देना। रुद्रम-2 को मुख्य रूप से इसी सामरिक कार्य के लिए तैयार किया गया है। युद्ध शुरू होते ही भारतीय वायुसेना सबसे पहले अपने सुखोई-30 मार्क(वन) विमानों के जरिए रुद्रम-2 मिसाइलों की बौछार कर सकती है। जैसे ही दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस नेटवर्क ध्वस्त होंगे, उसके तुरंत बाद भारतीय वायुसेना के राफेल, मिराज-2000 और तेजस जैसे लड़ाकू विमान दुश्मन के इलाके में गहराई तक जाकर अपने अन्य सैन्य अभियानों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकेंगे। इस तरह यह मिसाइल भारतीय वायुसेना के लिए एक बहुत बड़े फोर्स मल्टीप्लायर की भूमिका निभाएगी।

तकनीकी दृष्टिकोण से देखा जाए तो रुद्रम-2 में विश्व स्तर की कई अत्याधुनिक प्रणालियों का इस्तेमाल हुआ है। इसमें पैसिव होमिंग हेड सीकर लगा है, जो एक बहुत ही संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक रिसीवर की तरह काम करता है। यह बिना अपनी मौजूदगी बताए दुश्मन के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नलों को खोजता है और उन्हें ट्रैक करता है। नेविगेशन के लिए इस मिसाइल में इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ-साथ भारत के पूरी तरह स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन नेटवर्क नाविक का उपयोग किया गया है। युद्ध के दौरान दुश्मन अक्सर जीपीएस सिग्नलों को जाम करने का प्रयास करते हैं, लेकिन नाविक प्रणाली के कारण रुद्रम-2 किसी भी बाहरी जीपीएस सिग्नल पर निर्भर नहीं रहती और अपने लक्ष्य तक अचूक निशाना लगाती है। इसके अलावा इसमें लॉन्च से पहले लक्ष्य को लॉक करने और हवा में दागने के बाद भी नए लक्ष्य को लॉक करने जैसी उन्नत तकनीकी सुविधाएं मौजूद हैं, जो पायलट को अंतिम क्षणों में भी रणनीति बदलने का विकल्प देती हैं।

रुद्रम-2 जैसी मिसाइल को सुखोई-30 मार्क(वन) जैसे भारी लड़ाकू विमान के साथ जोड़ना भी अपने आप में एक बहुत बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती रही है। मिसाइल का एरोडायनामिक डिजाइन ऐसा होना चाहिए कि वह मैक 5.5 की प्रचंड गति पर पैदा होने वाले अत्यधिक तापमान और हवा के भारी दबाव को आसानी से सहन कर सके। इस गति पर हवा के घर्षण से मिसाइल की बाहरी परत बहुत अधिक गर्म हो जाती है, इसलिए इसके निर्माण में विशेष प्रकार के मिश्रित पदार्थों और तापरोधी कोटिंग का इस्तेमाल किया जाता है, जो इसके अंदर लगे संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सुरक्षित रखते हैं। इसके अलावा मिसाइल को विमान के मिशन कंप्यूटर के साथ सॉफ्टवेयर के जरिए पूरी तरह से सिंक करना होता है ताकि पायलट कॉकपिट में बैठकर ही मिसाइल की हर गतिविधि को नियंत्रित कर सके।

भारत के लिए इस मिसाइल के निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका पूर्ण रूप से स्वदेशी होना है। दशकों तक भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रूस, फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे देशों पर निर्भर रहा है। लेकिन रुद्रम-2 का विकास डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं ने स्वदेशी तकनीक से किया है। इसके उत्पादन चरण में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसी सरकारी कंपनियों के साथ-साथ कई निजी क्षेत्र की कंपनियां भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वर्तमान में भारतीय वायुसेना रूसी मूल की केएच-31 एंटी रेडिएशन मिसाइल का उपयोग करती है। उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में रुद्रम-2 पूरी तरह से इसकी जगह ले लेगी, जिससे विदेशी निर्भरता समाप्त हो जाएगी। स्वदेशी रक्षा विनिर्माण केवल सेना को मजबूत नहीं करता बल्कि यह देश के भीतर एक विशाल तकनीकी और आर्थिक ढांचा भी तैयार करता है। सामरिक दृष्टिकोण से रुद्रम-2 का सफल परीक्षण पड़ोसी देशों विशेषकर चीन और पाकिस्तान के लिए एक बहुत कड़ा संदेश है। दोनों देश अपनी सीमाओं पर लगातार अपने हवाई रक्षा तंत्र और रडार प्रणालियों को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में यह मिसाइल भारतीय वायुसेना को उन पर एक बहुत बड़ी सामरिक बढ़त प्रदान करती है। भारतीय सैन्य रणनीति के तहत केवल रुद्रम-2 ही नहीं, बल्कि रुद्रम-1 का विकास भी किया जा चुका है और भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए रुद्रम-3 पर भी तेजी से काम चल रहा है। यह मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है और यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आने वाले समय में देश विश्व मंच पर एक आत्मनिर्भर और अजेय सैन्य शक्ति के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाए रखेगा।

महेन्द्र तिवारी

महंगाई की मार और गरीब तबका

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

महंगाई सिर्फ आंकड़ों में दिखने वाली प्रतिशत बढ़ोतरी नहीं है। जब दाल-चावल, तेल, सब्ज़ी और किराया सब एक साथ महंगे हो जाएं, तो सबसे पहले झटका उसी को लगता है जिसके पास बचत नाम की कोई चीज़ नहीं है। इसका असर गरीब तबके पर असर सबसे ज़्यादा होता है क्योंकि वह केवल इतना ही कमा पाता है कि उसकी रोज़मर्रा की ज़रुरतें पूरी हो सकें। गरीब तबके के पास बचत करने के लिए कुछ भी नहीं होता है जिससे कि वो इमरजेंसी फंड का स्तेमाल कर सके। गरीब परिवार अपनी आय का 60-70% हिस्सा सिर्फ खाने-पीने और रोज़मर्रा की ज़रूरतों पर खर्च करते हैं। मध्यम वर्ग या अमीर लोग इस अनुपात को निवेश, यात्रा, शिक्षा में बाँट सकते हैं। जब खाने के सामान की कीमत 10% बढ़ती है तब एक अमीर आदमी का बजट थोड़ा खिंचेगा।

एक दिहाड़ी मज़दूर को या तो कम खाना पड़ेगा, या कर्ज लेना पड़ेगा। इसलिए मंहगाई गरीब के लिए सिर्फ 'महंगा होना' नहीं, बल्कि खरीदने की क्षमता का सिकुड़ना है। गरीब आदमी पर इस मंहगाई की सीधी मार पड़ती है। अनाज, दाल, दूध, सब्ज़ी, तेल की कीमत बढ़ते ही कुपोषण और भोजन में कटौती शुरू हो जाती है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे पहले प्रभावित होते हैं। ईंधन और परिवहन- डीजल-पेट्रोल महंगा होने से बस, ऑटो, मालभाड़ा सब बढ़ता है। गाँव से शहर काम पर जाने वाले लोगों का रोज़ का खर्च थोड़ा भी बढ़ जाए तो महीने का बजट गड़बड़ा जाता है। किराया और दवा- शहरों में झुग्गी-बस्तियों का किराया, और बीमारी पर दवा का खर्च, ये दोनों लचीले नहीं होते। इनमें कटौती नहीं हो सकती, तो बाकी ज़रूरतों से समझौता होता है।

वैसे तो सरकार लगभग 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रही है ले इन 80 करोड़ के अलावा भी बहुत सी जनता ऐसी है जिसको यह राहत नहीं मिल रही है। दरअसल 80 करोड़ में बहुत से लोग ऐसे हैं जो कि ग़रीबी रेखा से ऊपर हैं लेकिन वो भी इसका नाजायज लाभ ले रहे हैं। इसकी दुबारा से जांच होनी चाहिए और फ्री राशन केवल उनको ही मिलना चाहिए जिसको इसकी आवश्यकता है। गरीब आदमी हमेशा हर सरकारी योजनाओं में पीछे रह जाता है और इसी लिए गरीब और गरीब अमीर और अमीर होता रहता है। बचत और कर्ज़ जब आमदनी उतनी ही रहे और खर्च बढ़ जाए, तो लोग सूद पर कर्ज़ लेते हैं। एक बार कर्ज़ के जाल में फँसने के बाद बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।मंहगाई के पीछे के कारण जो गरीब को समझ में नहीं आते हैं। वह तो केवल महंगाई की मार सहता रहता है। मंहगाई के कई कारण होते हैं लेकिन हमारे देश का बजट ऐसा होना चाहिए कि वह इसका मुकाबला ठीक ढंग से कर सके। वैश्विक कारण- कच्चे तेल, खाद्य तेल, उर्वरक की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ें तो भारत में भी असर होता है।

आपूर्ति की दिक्कत- बारिश कम हो, फसल खराब हो, या ट्रांसपोर्ट बाधित हो तो लोकल मार्केट में दाम उछलते हैं। मांग और मुद्रा- सरकार द्वारा बाज़ार में पैसा ज़्यादा छोड़ना या रुपए का कमज़ोर होना भी कीमतें बढ़ाता है। गरीब आदमी इन कारणों को नहीं समझता, वो सिर्फ देखता है कि कल जो सब्ज़ी 40 की थी आज 60 की हो गई। इससे निपटने के रास्ते- सार्वजनिक वितरण प्रणाली को चुस्त रखना ताकि अनाज सस्ते में मिले। लक्ष्यित सब्सिडी- सबको सब्सिडी देने के बजाय सिर्फ ज़रूरतमंद तक पहुँचाना।स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना ताकि बाहर से आयात पर निर्भरता कम हो। व्यक्ति के स्तर पर- खर्च का हिसाब रखना और अनावश्यक चीज़ों पर कटौती करना। स्किल डेवलपमेंट- आमदनी बढ़ाने का एकमात्र स्थायी उपाय है। एक ही काम पर निर्भर न रहना।सामुदायिक मदद- सहकारी समितियाँ, स्वयं सहायता समूह मंहगाई के झटके को बाँट सकते हैं। मंहगाई एक आर्थिक समस्या है, लेकिन गरीब के लिए ये रोज़ की लड़ाई बन जाती है। जब एक माँ अपने बच्चों को कहती है 'आज सब्ज़ी नहीं बनेगी', तो वो आँकड़ा नहीं, जीवन का सच होता है। इसलिए मंहगाई को कंट्रोल करना सिर्फ आरबीआई और सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है। समाज, बाज़ार और हम सबकी भूमिका है कि संसाधनों का बँटवारा थोड़ा ज़्यादा न्यायसंगत हो। हमको अपनी आमदनी का एक हिस्सा हमेशा बचत में रखना चाहिए ताकि इस तरह की समस्याओं का हम डट कर मुकाबला कर सकें।

अस्तित्व हीनता के दौर से गुजर रहा पाकिस्तान

दक्षिण एशिया का परमाणु शक्ति संपन्न देश पाकिस्तान आज अपने इतिहास के सबसे बुरे दौरों में से गुजर कर अपने अस्तित्व संकट के लिए संघर्षरत है। पाकिस्तान देश का नाम कभी भी वैश्विक नक्शे से विलुप्त होने की कगार पर है। पाकिस्तान की ना कोई निश्चित अंतरिम नीति है ना ही कोई विदेश नीति,केवल विध्वंस और चरमपंथियों के दम पर पाकिस्तान अब तक पूरे विश्व में आतंक फैलाता रहा है अब वह खुद आतंकवाद महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। एक ओर लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं, दूसरी ओर बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा, चरमपंथी संगठनों की सक्रियता, महंगाई की मार तथा अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबावों ने देश को गंभीर संकट में डाल दिया है। वर्तमान परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि पाकिस्तान केवल आर्थिक संकट ही नहीं बल्कि राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक संकट से भी जूझ रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र लंबे समय से सेना और निर्वाचित सरकारों के बीच शक्ति-संघर्ष का शिकार रहा है। हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के बजाय सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर का उल्लेख किए जाने से यह बहस फिर तेज हो गई कि पाकिस्तान में वास्तविक शक्ति किसके हाथ में है। अनेक विश्लेषकों ने इसे पाकिस्तान की कमजोर लोकतांत्रिक व्यवस्था और सेना के बढ़ते प्रभाव का संकेत माना।

दूसरी बड़ी चुनौती बलूचिस्तान में बढ़ती अस्थिरता है। 2026 में बलोच लिबरेशन आर्मी द्वारा कई समन्वित हमले किए गए, जिनमें सैन्य प्रतिष्ठानों, बैंकों और पुलिस ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं ने न केवल पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाया बल्कि चीन और अमेरिका जैसे संभावित निवेशकों की चिंताएँ भी बढ़ा दीं। बलूचिस्तान पाकिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का केंद्र है, किंतु स्थानीय लोगों में लंबे समय से उपेक्षा और शोषण की भावना बनी हुई है। यही कारण है कि अलगाववादी आंदोलन समय-समय पर उग्र रूप धारण कर लेता है। महंगाई पाकिस्तान की जनता के लिए सबसे बड़ी पीड़ा बन चुकी है। ईरान-अमेरिका तनाव और पश्चिम एशिया में संघर्षों के कारण तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। पाकिस्तान, जो अपनी अधिकांश ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयातित तेल पर निर्भर है, इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हुआ। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि ने आम नागरिक के जीवन को कठिन बना दिया है। बढ़ती महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग दोनों की क्रय शक्ति को कमजोर कर दिया है, जबकि बेरोजगारी और आर्थिक मंदी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

इसी बीच पाकिस्तान एक नई कूटनीतिक दुविधा में भी फँसा हुआ है। अमेरिका चाहता है कि अधिक से अधिक मुस्लिम देश अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होकर

इज़राइल के साथ संबंध सामान्य करें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों से इस दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। किंतु पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कहा कि फिलिस्तीन समस्या के समाधान के बिना इज़राइल को मान्यता देना उसके लिए स्वीकार्य नहीं है। अब्राहम अकॉर्ड्स का विरोध केवल पाकिस्तान सरकार तक सीमित नहीं है। देश के कई धार्मिक और कट्टरपंथी संगठन इसे इस्लामी हितों के विरुद्ध मानते हैं। चरमपंथी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ नेता द्वारा सेना प्रमुख असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ को सार्वजनिक धमकी दिए जाने की खबरें भी सामने आईं। उसने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान ने इज़राइल के साथ संबंध स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। यह घटना दर्शाती है कि पाकिस्तान के भीतर कट्टरपंथी ताकतें अभी भी कितनी प्रभावशाली है।

दिलचस्प बात यह है कि एक ओर पाकिस्तान स्वयं को अमेरिका और ईरान के बीच संभावित मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसके अपने घरेलू हालात चिंताजनक बने हुए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने दावा किया है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन आलोचक प्रश्न उठाते हैं कि जो देश अपने ही प्रांत बलूचिस्तान में स्थिरता स्थापित नहीं कर पा रहा, वह क्षेत्रीय शांति का वाहक कैसे बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान की छवि मिश्रित बनी हुई है। चीन ने उसे अपना 'अटूट मित्र' बताया है और आर्थिक सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित कई देशों ने बलूचिस्तान में हुए आतंकी हमलों की निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की है। पाकिस्तान आज चार मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है,कमजोर लोकतंत्र, बढ़ती महंगाई, बलूचिस्तान में हिंसा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव। यदि राजनीतिक नेतृत्व, सेना और समाज मिलकर इन चुनौतियों का समाधान नहीं खोजते, तो यह संकट और गहरा सकता है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना, प्रांतीय असंतोष का समाधान करना, चरमपंथ पर प्रभावी नियंत्रण तथा आर्थिक सुधारों को लागू करना पाकिस्तान की तत्काल आवश्यकता है। अन्यथा यह देश आने वाले वर्षों में और अधिक अस्थिरता तथा वैश्विक अलगाव का सामना कर सकता है।

संजीव ठाकुर

कविता

आकांक्षाएँ तितलियां है।

तितली जान लेतीफूल कहाँ
खिल रहे।
आकांक्षाएँ भी
तितलियां होती ,
वे किसी ग्रंथ की उपज नहीं
मन की किसी कोमल तह में
चुपचाप पंख उगाती।
एक सुबह
जब धूप ओस के कंधे पर होती,
तब आकांक्षाएँ
तितली बनकर उड़ने लगतीं।

रंगीन होती वे
किसी के लिए
नीले आकाश का टुकड़ा,
किसी के लिए
माँ की आँखों में चमकती
उम्मीद,
किसी के लिए
सूखी रोटी के साथ
थोड़ी-सी गरिमा का स्वाद।
तितली को देखिए,
वह हर फूल पर बैठती,
पर किसी फूल को
अपना घर नहीं बनाती।

आकांक्षाएँ भी
निवास विहीन
पर पूरी होती
क्षितिज पर
रंग भरतीं।

कभी-कभी
इतनी हल्की होती
कि बच्चों की हँसी में
उड़ती दिखती ,
कभी इतनी गहरी
कि बूढ़ी आँखों में
प्रार्थना बनकर बसतीं।
मैंने देखा ,
तितली आकांक्षा
समान,
दोनों को पकड़ने से
अदृश्य हो जाती
प्रेम बंधन में
हथेली पर आकर बैठ जाती।

तब ही
जीवन इतना सुंदर
हमारे भीतर
रंगीन तितली रहती
हर तितली के पंखों पर
एक नई आकांक्षा पनपती।

वे हमें उड़ना सिखाती

वे हमें रंग देती हैं,
अहंकार नहीं।

जब संध्या उतरती
तब लगता
ईश्वर ने मनुष्य को
आकांक्षाएँ
केवल जीने के लिए नहीं
तितलियों और सपनों के बीच
अपने होने का साधन
खोज कर सके।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः लाल 7 **शुभ अंकः** 9

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लें। खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।
शुभ रंगः सफेद 7 **शुभ अंकः** 6

मिथुन करियर में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। मित्रों से लाभ होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। यात्रा का योग बन सकता है।
शुभ रंगः हरा 7 **शुभ अंकः** 5

कर्क कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंगः सिल्वर 7 **शुभ अंकः** 2

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं।
शुभ रंगः सुनहरा 7 **शुभ अंकः** 1

कन्या अनावश्यक विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। नौकरी और व्यवसाय में स्थिरता बनी रहेगी।
शुभ रंगः हरा 7 **शुभ अंकः** 7

तुला दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
शुभ रंगः गुलाबी 7 **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक कामकाज में व्यस्तता बढ़ेगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं।
शुभ रंगः मरून 7 **शुभ अंकः** 9

धनु विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए दिन अच्छा है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

मकर घर-परिवार से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है। संपत्ति संबंधी मामलों में सफलता मिलने के योग हैं।
शुभ रंगः नीला 7 **शुभ अंकः** 8

कुंभ संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटी यात्राएं लाभदायक हो सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः आसमानी 7 **शुभ अंकः** 4

मीन आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

साइबर सुरक्षा का नया सचः जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

[एक क्लिक में तबाहीः डिजिटल वॉल्ट्स कितने सुरक्षित हैं?]

[पासवर्ड मैनेजर्स पर साइबर अटैकः डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौतियां]

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्डों की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरिख तथा यूएसआई लुगानो के शोधकर्ताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवर्ड्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूज़र्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाने वाले यूज़र्स 'जीरो-नॉलेज एन्क्रिप्शन' को फाइनल सिक्योरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खामियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवर्ड्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जो सिक्योरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिस्क में बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंट्स से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूज़र्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है।

असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैक्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉगर, ब्राउज़र की कमजोरियां, सप्लाई-चेन अटैक्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शेयरिंग सिस्टम और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे ग्रुप वॉल्ट को रिस्क में डाल सकती हैं। 'ज़ीरो-नॉलेज' भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसेज़ विश्वसनीय रहें। यदि आधारभूत ढांचा ही समझौता कर ले, तो एन्क्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्योरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती। इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवर्ड्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्योरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन

की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाना भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवर्ड्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्योरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह मैच्योर नहीं हुआ है और सभी वेबसाइट्स तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं करते। ऐसे में यूज़र्स को पुराने और नए दोनों सिक्योरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है।

बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपर्ट्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्योरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्योरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजमेंट मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेज़ी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूज़र विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेक्निकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। साफ है कि टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के साथ जागरूक और अलर्ट यूज़र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

बदलते साइबर परिदृश्य का सबसे बड़ा सबक यही है कि सिक्योरिटी कभी स्टेबल नहीं रहती। पासवर्ड मैनेजर्स ने पासवर्ड दोहराव की समस्या घटाई है, लेकिन अब वे खुद साइबर क्रिमिनल्स के निशाने पर हैं। इसलिए न अंधा ट्रस्ट उचित है और न ही उनका पूरी तरह से त्याग। जरूरत सतर्कता, बैलेंस्ड अप्रोच और नई टेक्नोलॉजी के साथ खुद को लगातार अपडेट रखने की है। पासकी, हार्डवेयर सिक्योरिटी कीज, बायोमेट्रिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम्स भविष्य की दिशा तय करेंगे, लेकिन सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी जागरूक यूज़र ही रहेगा। जब तक डिजिटल आदतों में बदलाव नहीं आएगा, साइबर खतरे बने रहेंगे। इसलिए सुविधा नहीं, सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि एक साइबर अटैक केवल डेटा ही नहीं, बल्कि ट्रस्ट और प्राइवेसी भी छीन सकता है।

प्रो.आरके जैन 'अरिजीत'

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

रोजगार सेवको ने शुरु की अनिश्चितकालीन हड़ताल, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

काँट, शाहजहांपुर। ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र (वेल्फेयर एसोशियेशन) उ0प्र0 की प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर पूरे प्रदेश मे 2 मई 2026 से ग्राम रोजगार सेवकों की विभिन्न समस्याओ के दृष्टिगत सांकेतिक हड़ताल करने का निर्णय लिया गया, इसी क्रम मे आज दिनांक 3 मई 2026 को काँट ब्लॉक के ग्राम रोजगार सेवकों सहित समस्त मनरेगा कर्मचारीयों ने मानदेय साहित तमाम समस्याओं से संबंधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौपा। ग्राम रोजगार सेवको ने मांग की है कि उनका अवशेष मानदेय अति शीघ्र दिलाया जाये, नियमित कर राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाये, मानदेय पृथक बजट से दिया जाये, कम से कम 24000? प्रतिमाह मानदेय दिया जाये। प्रदेश संगठन ने यह भी एलान कर दिया कि यदि हमारी मांगो को पूरा नही किया गया तो 15 मई 2026 को जिला मुख्यालायो पर एक दिवसीय कार्यक्रम व 1 जुलाई 2026 को विधान सभा घेराव किया जाएगा। ज्ञापन देने वालो मे मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष अर्वेश कुमार वर्मा ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश सिंह ब्लॉक महामंत्री वीरपाल सिंह, सर्वेश कुमार यादव, राजेश सिंह, अमित शर्मा, डीपी यादव, रामनिवास, गोविंद, अजय कुमार, वेदप्रकाश शास्त्री, संजीव कुमार, सोनू, गोविंद, रामनिवास,अशोक कुमार, मुबीन, आदि तमाम रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

बिजली लाइन मरम्मत करते समय खंभे से गिरा संविदा लाइनमैन घायल गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे प्रान सिंह मजरे ऐहार गांव में बुधवार को बिजली लाइन मरम्मत करते समय एक संविदा लाइनमैन खंभे से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गुरबक्शगंज थाना क्षेत्र के अटौरा बुजुर्ग गांव निवासी राजू (37) पुत्र बनवारी बिजली लाइन की खराबी ठीक करने के लिए खंभे पर चढ़ा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से सीमेंटेड सड़क पर औंधे मुंह गिर पड़ा। बगल में टूटा बिजली का खंभा भी पड़ा था। गिरते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद साथ में मौजूद कर्मचारियों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण क्षेत्र के अवर अभियंता बृजेश कुमार अस्पताल पहुंचे और घायल कर्मचारी का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि खंभे पर चढ़ते समय लोहे के पैडल से पैर फिसल जाने के कारण कर्मचारी नीचे गिर गया। उसका उपचार कराया जा रहा है।

लखनऊ में वीडियोग्राफर के साथी ने ही रची थी लूट की साजिश, तीन गिरफ्तार

लखनऊ। माल के रानीखेड़ा निवासी वीडियोग्राफर अशोक यादव से लूट की साजिश चार वर्षों से उसके साथ काम करने वाले रोहन ने अपने साथियों के साथ रची थी। बुधवार को पुलिस ने रोहन समेत घटना में शामिल उसके दो अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से लूट का सामान भी बरामद हुआ है। पीड़ित अशोक यादव ने तहरीर में बताया कि रविवार रात आशू नाम के युवक ने वाट्सएप के जरिए जन्मदिन कार्यक्रम के लिए बुकिंग कर उन्हें बुलाया था। वह साथी शनी, शशांक गुप्ता, सचिन गौतम और रोहन कुमार के साथ कार से इटौंजा के हीरापुरवा तिराहे के पास पहुंचे तभी दो बाइक पर सवार चार युवक आए और असलहे के बल पर धमकाते हुए कैमरा, लेंस समेत 15 लाख रुपये का सामान लूट ले गए। पीड़ित ने इटौंजा थाने में मुकदमा दर्ज कराया और साथी रोहन पर भी घटना में शामिल होने का शक जताया था। बुधवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घटना का राजफाश करते हुए रोहन समेत दो अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इटौंजा थाना प्रभारी सोबरन सिंह ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को इटौंजा चौराहे के पास रोका गया।

सूचना

मैं मनोज यादव पुत्र श्री जीवनलाल यादव मकान नंबर 12/337 अहिराना, ग्वालटोली, कानपुर का निवासी हूं। मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम अर्श यादव लिखा है लेकिन उसके जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश उसका नाम मन यादव लिखा है, जबकि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम अर्श यादव ही है। अतः अब मेरे पुत्र को सभी दस्तावेजों में इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

SM NET समन्वयकों ने आज उप मुख्य मंत्री बृजेश पाठक को ज्ञापन सौंप कर सेवा बहाली की मांग उठाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोशल मोबिलाइजेशन नेटवर्क (SM NET) उत्तर प्रदेश के एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उप-मुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंप कर एस.एम. नेट के समन्वयकों की सेवा वहाली की मांग को दमदार से उठाया। प्रतिनिधिमंडल की मांग को गम्भीरता से लेते हुए मा.पाठक जी ने सम्बंधित को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि शोसल मोबिलाइजेशन नेटवर्क के तत्वावधान में कल लखनऊ स्थित इको गार्डन में प्रदेशभर के समन्वयकों एवं बीएमसी साथियों द्वारा धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

धरने के माध्यम से वक्ताओं ने सरकार को यह बताने का प्रयास करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा बेहतर स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से वर्ष 2001 में NICEF द्वारा सोशल मोबिलाइजेशन नेटवर्क (SM NET) की स्थापना की गई थी। इस नेटवर्क ने पोलियो उन्मूलन, दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान, कोविड-19 प्रबंधन, दस्त नियंत्रण पखवाड़ा, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, टीकाकरण, मिशन इंद्रधनुष, ग्रामीण स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा पोषण दिवस सहित अनेक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समरण रहे कि 31 मार्च 2026 को यूनिसेफ द्वारा सरूहश्वज्ञ को बंद किए जाने के निर्णय के कारण प्रदेश के लगभग 555 कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। कर्मचारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार ने फरवरी 2026 में सरूहश्वज्ञ के संचालन हेतु विशेष बजट का प्रावधान भी किया था। इसके बावजूद अप्रैल माह में हुए धरना-प्रदर्शन, अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) के साथ बैठक तथा मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने के बाद भी विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही नहीं हो सकी है। धरनारत कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि स्वास्थ्य विभाग की शिथिलता एवं लालफीताशाही के कारण आज तक सरू हश्वज्ञ के पुनर्संचालन एवं कर्मचारियों के पुनर्नियोजन पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने शासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर सरू हश्वज्ञ को पुनः संचालित करने तथा प्रभावित कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की थी तथा शाम को एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्वास्थ्य महानिदेशक को अपनी मांगों से सम्बंधित एक ज्ञापन भी सौंपा था। परन्तु कोई स्पष्ट जबाव न मिलने की दशा में आज बृजेश पाठक जी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से डां. राजेश सिंह, योगेश सिंह, हर्षित राज, ज्ञानेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से वृद्धा की मौत, अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बाल्हेमऊ मजरे ऐहार गांव में बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक वृद्धा की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी 70 वर्षीय राम कुमारी पत्नी रामकुमार कुशवाहा बुधवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सड़क किनारे बनी नाली के ऊपर से होकर जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजन घायल वृद्धा को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

वृद्धा की मौत की सूचना मिलते ही बेटे होरी लाल, सरवन सहित पूरे परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल वृद्धा की इलाज के दौरान मौत हुई है। अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

माय भारत सीतापुर द्वारा विश्व साइकिल दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन

● जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि युवा मंडल मलसराई द्वारा आयोजित कार्यक्रम युवाओ के प्रतिभाग से सफल रहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'मेरा युवा भारत' के अंतर्गत जे.पी.एस. इंटर कॉलेज करीमगंज, बाबा कुटी, महमूदाबाद, सीतापुर के प्रांगण में विश्व साइकिल दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। नेहरू युवा केंद्र(माय भारत) की जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि युवा मंडल मलसराई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री उत्तम कुमार सिंह, प्रबंधक उत्तम विद्या मंदिर थानगांव तथा विशिष्ट अतिथि श्री प्रेमचंद, सभासद नगर पालिका परिषद महमूदाबाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

कार्यक्रम की श्रृंखला में विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक श्री आशीष वर्मा एवं सभासद श्री प्रेमचंद द्वारा उपस्थित जनसमूह और युवाओं को विश्व साइकिल दिवस के महत्व पर संबोधित किया गया। इसके पश्चात, उत्साह से भरे प्रतिभागियों ने जागरूकता से जुड़े स्लोगन बोलते हुए एक विशाल साइकिल रैली निकाली। यह रैली विद्यालय प्रांगण से शुरू होकर मिश्रखा मोड़ तक लगभग 1.5 किलोमीटर तक गई, जिसने स्थानीय लोगों को पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। साइकिल रैली के समापन के बाद सभी प्रतिभागियों को व्यवस्थित किया गया और मुख्य अतिथि द्वारा साइकिल चलाने से होने वाले शारीरिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि साइकिल चलाना ईंधन की बचत और प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ हमारी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक वन्दना एवं युवा मंडल मलसराई के सदस्यों द्वारा किया गया।

सआदतगंज पुलिस की बड़ी कामयाबी, दहेज हत्या का मुख्य आरोपी केजीएमयू ट्रामा सेंटर के पास से गिरफ्तार

● .....लंबे समय से फरार चल रहा आरोपी सागर लोधी शहर छोड़ने की फिराक में था, पुलिस की मुस्तैदी ने नाकाम किया मंसूबा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सआदतगंज थाना पुलिस को आज एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए दहेज हत्या के मामले में काफी लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी सागर लोधी को धर दबोचा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था और इसी बीच चोरी-छिपे किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) के ट्रामा सेंटर में अपना इलाज करवा रहा था। आरोपी की योजना बेहद शातिराना थी; वह अस्पताल से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद लखनऊ शहर से बाहर भागने की फिराक में था ताकि कानून के शिकंजे से दूर रह सके।

हालांकि, सआदतगंज पुलिस प्रशासन की सतर्कता और सटीक मुखबिरी के आगे आरोपी के मंसूबे धरे के धरे रह गए। जैसे ही पुलिस को आरोपी के ट्रामा सेंटर में होने और वहां से डिस्चार्ज होकर भागने की तैयारी की भनक लगी, थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत एक्शन प्लान तैयार किया। पुलिस बल ने बिना वक्त गंवाए केजीएमयू ट्रामा सेंटर के आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। जैसे ही आरोपी सागर लोधी ट्रामा सेंटर यूनिट-1 के पास पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठी सआदतगंज पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया। आरोपी की इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम उसे थाने ले आई है और उसके खिलाफ आगे की कड़ी विधिक व कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। स्थानीय स्तर पर पुलिस की इस त्वरित और मुस्तैद कार्रवाई की काफी सराहना हो रही है।के साथ-साथ हमारी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक वन्दना एवं युवा मंडल मलसराई के सदस्यों द्वारा किया गया।

ईंधन संकट के बीच 5 जून से बंद होगी बैंकॉक की डायरेक?ट फ्लाइट, लखनऊ एयरपोर्ट पर लगातार कम हो रही विमानों की संख्या

लखनऊ। ईरान-इजरायल व अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण पेट्रोल को लेकर छाए वैश्विक संकट का असर विमान सेक्टर पर पड़ने लगा है। कई एयरलाइन ने अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में कमी कर दी है। इसका असर चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी पड़ा है। छुट्टी मनाने के लिए बैंकाक जाने वाले यात्रियों के लिए संकट खड़ा हो गया है। लखनऊ से बैंकाक की थाई एयर की सीधी विमान सेवा गुरुवार से बंद हो रही है। ऐसा ईंधन संकट के कारण हो रहा है। पिछले दिनों ही लखनऊ से मलेशिया के क्वालालंपुर जाने वाली एयर एशिया की सीधी विमान सेवा को बंद कर दिया गया है। अब पांच जून से बैंकाक से लखनऊ आने वाली सीधी विमान सेवा एफडी-146 को बंद किया जाएगा। यह विमान रात 8:25 बजे बैंकाक से उड़ान भरकर रात 10:51 बजे लखनऊ पहुंचता है। इसी तरह लखनऊ से एफडी-147 रात 11:05 बजे उड़ान भरकर सुबह 3:38 बजे बैंकाक पहुंचता है। इस विमान से सबसे अधिक हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी कर उसे लखनऊ भेजा जाता है। इमिग्रेशन और कस्टम की टीमों ने मिलकर छह माह में 53 करोड़ रुपये की कीमत का गांजा इसी विमान से करियर सहित पकड़ा है।

ऐतिहासिक स्थल बोधिसत्व भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की पवित्र अस्थियों पर पुष्प अर्पित कर बुद्ध वंदना एवं विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व के विषयों पर विचार व्यक्त किए जाएंगे क्रांतिकारी भंते विनाचार्य मिशन महाबोधि महावीर बुद्ध गया कमेटी दवारा अपने वक्तव्य में उक्त स्थल को हटाने की बात कही गई है डा. निर्मल व्यक्तिगत स्वार्थ में नए सस्थान साहेब के जन्म दिवस के अवसर पर उक्त स्थल पर लालजी प्रसाद निर्मल जो संस्था के अध्यक्ष भी नहीं सफलता प्राप्त नहीं कर पाए। वर्तमान में आपके आवनाओं का सम्मान न कर गुमराह करते हुए 10 बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट 01/04/2016 में अपने निवास स्थान 6/58 विकास नगर लखनऊ के एड्रेस से रजिस्टर्ड कराया है खुद के ट्रस्ट को लाभ पहचाने के लिए पहले भी प्रयास किये थे उस समय विधानसभा मागे, लखनऊ में स्थित भारत रत्न बाबा साहेब डा. बी.आर. आंबेडकर के एतिहासिक केंद्र को समाप्त करने का षडयंत्र किया है, जो डॉक्टर आबेडकर के अनुयायियों को भड़काने की साजिश किया है अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। करोडों बहुजन समाज बाबा साहेब डा0 आबेडकर के अनुयायियों के भावनाओं को आहत करने की साजिश हैं। बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर की अस्थियां एक जगह से दूसरे जगह स्थापित नहीं की जा सकती यह अस्थि कलश स्थल भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डा0 भीमराव आंबेडकर महासभा बाबा साहेब डा0 आंबेडकर के अनुयायियों का है किसी एक व्यक्ति की संपत्ति के रूप में नहीं मानी जा सकती। डॉ0 निर्मल देवारा आपको गुमराह कर सरकार को बदनाम करने की साजिश रची है। इसके पहले भी सश्री मायावती एवं अखिलेश यादव के सरकार के समय में भी इन्होंने प्रयास किया था। लेकिन वह दोनों सरकारों ने इनके साजिश को समझ गई थी कि डा0 आंबेडकर अस्थि कलश स्थल व महासभा को यहां से हटाने से पूरे देश में नए मुद्दे का जन्म देना एवं सरकार के विरुद्ध प्रदेश और देश में आक्रोश पैदा करने का गहरा षड्यंत्र है वह सरकारें जोखिम उठाना उचित नहीं समझी। जब कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंच तीर्थ स्थल को बनवाकर ऐतिहासिक स्थल घोषित की न की उस स्थान को एक से दूसरे अस्थान पर परिवर्तित कर किया गया है। 10 विधानसभा मार्ग, लखनऊ में स्थित करोड़ों-करोड़ों डॉ0 भीमराव आंबेडकर के अनुयाई?यों के श्रद्धा भावना का केन्द्र को ध्यान में रखते हुए भारत रत्न बाबा साहेब डा. बी.आर. आंबेडकर के एतिहासिक स्थल को यथा स्थिति बनाए रखने व संरक्षित करने की कृपा करें।

पुलिस ने किया मोबाइल लूट का खुलासा

● दो शातिर अभियुक्त फोन के साथ गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर पुलिस ने मोबाइल लूट की एक घटना का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया वीवो मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई एसपी के निर्देश पर चांदा पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम के संयुक्त अभियान के तहत की गई। जानकारी के अनुसार, 3 जून को सुबह चांदा पुलिस टीम पूनीभीमपट्टी अंडरपास के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दो युवकों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद हुआ।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान अवनीश कुमार भारती (19 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश भारती और पंकज गौतम (18 वर्ष) पुत्र राजपति गौतम के रूप में हुई है। दोनों ग्राम शिवपुर, थाना चांदा के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मामला पिछले महीने 12 मई का है। उस दिन पलटू यादव के भाई संतलाल यादव अपने साथी प्रेमनाथ उपाध्याय (निवासी शिवपुर, थाना चांदा) के साथ सलाहपुर मंदिर भोज से पैदल अपने गांव लौट रहे थे। रास्ते में दो अज्ञात लड़कों ने उन्हें रोककर मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी और उनका वीवो मोबाइल फोन जबरन लूट लिया था। इस संबंध में पीड़ित पक्ष ने थाना चांदा में

मुकदमा दर्ज कराया था। इस सफल अनावरण में थाना चांदा के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा, कांस्टेबल मन्नू कुमार, राहुल पाल, स्वाट/ सर्विलांस टीम के उपनिरीक्षक शिवानंद, हेड कांस्टेबल अनुपम सिंह, इमाम हुसैन, विमलेश यादव, उपनिरीक्षक मेराज हुसैन, कांस्टेबल परवेंद्र सिंह, प्रेमदीप और सर्वजीत मौर्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्थानीय लोगों ने चांदा पुलिस और सर्विलांस टीम की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

सांसद निधि से निर्माण हो रहे वीरा पासी भवन पर उठे सवाल

● ग्रामीणों ने घटिया निर्माण सामग्री लगाने का लगाया आरोप।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के भीर गोविंदपुर गांव में सांसद निधि से बन रहे वीरा पासी भवन के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। गांव के लोगों और सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि भवन निर्माण में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। निर्माण में घटिया ईंट, मौरंग और अन्य सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी की सांसद निधि से करीब 25 लाख रुपये की लागत से वीरा पासी भवन का निर्माण कराया जा रहा है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। इस संबंध में कई बार अधिकारियों से शिकायत भी की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं ने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी धन से बनने वाले सार्वजनिक भवनों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। अब लोगों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। देखना होगा कि शिकायत की जांच कब तक होती है और इसके क्या परिणाम सामने आते हैं।

लखनऊ में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही, सड़क के किनारे मिले तीन सौ कनेक्शन डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सड़क के किनारे बिजली के वितरण में प्रयोग में लाए जाने वाले तीन सौ डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स सड़क के किनारे पड़े होने के खलबली मच गई। बुधवार को मिले इन बॉक्स से उपकरण और तांबा निकाला गया था। अमौसी जोन के मुख्य अभियंता राम कुमार को इस प्रकरण की जानकारी ही नहीं है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के उपभोक्ताओं को नो ट्रिपिंग बिजली देने के लिए लखनऊ में रिवैम्प डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) यानी बिजली सुधार योजना के तहत एरियल बंच केबल एबीसी के साथ उपभोक्ताओं के घर के सामने डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स लगाए गए। इन डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स से उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिए गए। राजधानी में यह अधिकांश जगह देखे जा सकते हैं, लेकिन अमौसी जोन के काकोरी व आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में पेटी ठेकेदार ने इनका प्रयोग काफी कम किया। काकोरी से आलमनगर के बीच पड़ने वाले शाहपुर भमरौली में बुधवार को सड़क के किनारे डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स मिले।

ओपी राजभर से सुल्तानपुर का प्रभार वापस लिया गया

● गिरीश चंद्र यादव नए प्रभारी मंत्री, इसौली सीट पर थी राजभर की नजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव को सुल्तानपुर का नया प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें बुधवार को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। इससे पहले, कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर सुल्तानपुर के प्रभारी मंत्री थे, जिन्हें अब अंबेडकर नगर का प्रभार दिया गया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने शेष हैं। ऐसे महत्वपूर्ण समय में ओम प्रकाश राजभर को सुल्तानपुर से अंबेडकर नगर स्थानांतरित करने के पीछे भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि राजभर के सुल्तानपुर के प्रभारी मंत्री रहते हुए भाजपा को नुकसान हो रहा था।

सूत्रों के अनुसार, ओम प्रकाश राजभर ने सुल्तानपुर के प्रभारी मंत्री के रूप में अपनी पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) को मजबूत करने का प्रयास किया। हाल ही में उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह के पति और बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिव कुमार सिंह को भाजपा से सुभासपा में शामिल कराया। इस घटना को इसौली विधानसभा सीट पर सुभासपा की दावेदारी के संकेत के रूप में देखा जा रहा था, जिसे भाजपा अपनी मजबूत सीट मानती है। राजभर कथित तौर पर भाजपा के सहयोगी संजय निषाद के पैटर्न का अनुसरण कर रहे थे। निषाद ने 2022 के चुनाव में सदर सीट पर अपने उम्मीदवार राज प्रसाद उपाध्याय को भाजपा के सिंबल पर चुनाव लड़वाकर जीत हासिल की थी। राजभर भी इसौली सीट पर इसी तरह की रणनीति अपनाने की कोशिश में थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इसौली सीट पर समाजवादी पार्टी से मात्र 300 वोटों के अंतर से हार गई थी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा जिलाध्यक्ष, कई विधायकों और संगठन के अन्य सदस्यों ने इस स्थिति से मुख्यमंत्री सहित पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया था। इसके बाद ही राजभर को अंबेडकर नगर का प्रभार देकर गिरीश चंद्र यादव को सुल्तानपुर भेजा गया है। गिरीश चंद्र यादव की नियुक्ति को सुल्तानपुर और इसौली सीट पर बड़ी संख्या में यादव मतदाताओं के बीच भाजपा की पकड़ मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, पड़ोसी जिले जौनपुर में कुछ यादवों के कथित एनकाउंटर के बाद भाजपा को हुए संभावित नुकसान की भरपाई करना भी एक उद्देश्य हो सकता है।

डीएम के निर्देश पर शहर में बनेंगे डॉग फीडिंग व एनिमल बीडिंग सेंटर

● चारागाह होंगे अतिक्रमण मुक्त, तालाबों में भरा जायेगा पानी, खुले में मांस बिक्री व गोवंश तस्करी के विरुद्ध चलेगा अभियान तक कागजों में विकास, बिना कार्य निकाले जा रहे लाखों रुपये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर। निराश्रित कुत्तों व पशुओं के लिए शहर में डॉग फीडिंग व एनिमल बीडिंग सेंटर खोले जायेंगे इसके लिए जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने नगरपालिका व एसडीएम को जमीन खोजने के निर्देश दिए है। डीएम ने यह निर्देश एसपीसीए की बैठक में दिए है। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित एसपीसीए की बैठक में डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि कि जिले के सभी चारागाह अतिक्रमण मुक्त किये जाएँ। सीडीओ विनय कुमार सिंह ने सभी तालाबों में पानी भरने के निर्देश दिए ताकि जीव जंतुओं को पेयजल की समस्या न हो। रेल व सड़क मार्ग से होने वाली दुधारू पशुओं के वध, गोवंश व अन्य पशुओं की तस्करी पर रोक लगाने ले लिए परिवहन व पुलिस विभाग को अभियान चलाने का निर्णय गया।

साथ ही पशु चिकित्सा विभाग व खाद्य सुरक्षा विभाग खुले में हो रहीं मांस बिक्री के विरुद्ध अभियान चलाकर प्रतिबंध लगाएगा. बैठक में प्रभारी सीवीओ डॉ प्रमोद कुमार शर्मा ने अवगत कराया कि एसपीसीए का बैंक खाता प्रभावी संचालन में आ गया है तथा एसपीसीए पंजीयन का नवीनीकरण कराया जा रहा है. तो डीएम ने ख़राब एसपीसीए की एम्बुलेंस को एसपीसीए के धन से एस्टीमेट बनवाकर मरम्मत कराया जाये. डीएम ने अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था एसपीसीए फण्ड से करने के साथ धन जुटाने के संसाधन विकसित करने का निर्देश भी दिया है। बैठक में डीएफओ अमित सिंह, प्रभारी सीवीओ डा0 प्रमोद कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी, नगर शैलेन्द्र तिवारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, लाल चन्द्र सरोज, अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, रमाशंकर पटेल, पीएस0ओ0 कुमार सिंह, प्रतिनिधि जिला पंचायत व शासन स्तर से नामित गैर सरकारी सदस्य प्रशान्त द्विवेदी, प्रवीन दूबे, जीतेन्द्र श्रीवास्तव, आश्रय गृह वालंटियर्स आयुष दुबे व अविता अग्रवाल सहित संगीता शुक्ला व पशुपालन विभाग के सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में 8वीं आर्थिक जनगणना की तैयारी तेज, व्यापार से कृषि तक हर इकाई का होगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शहर में विभिन्न व्यापार, व्यवसाय और कृषि से जुड़ी उद्यम इकाइयों को सूचीबद्ध करने के लिए आर्थिक जनगणना कराएगी, इनकी तैयारी शुरू कर दी है। बतर दें कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय को शहर में 8वीं आर्थिक जनगणना आयोजित करने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया है। योजना विभाग द्वारा सोमवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि आर्थिक जनगणना और संबंधित सांख्यिकीय गतिविधियों को लागू करने के लिए दिल्ली के 13 जिले निदेशालय के तहत उप-एजेंसी के रूप में काम करेंगे। राजस्व विभाग के तहत जिला कार्यालयों में तैनात सांख्यिकीय अधिकारियों और सहायकों को निदेशालय द्वारा आर्थिक जनगणना से संबंधित सौंपे गए कार्यों की देखरेख और समन्वय करने का निर्देश दिया गया है। वे अपने नियमित कर्तव्यों को निभाने के अलावा जनगणना के संबंध में मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर काम करेंगे।

जनसंख्या जनगणना के बाद होगी शुरूआत

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में दिल्ली में 2027 की जनसंख्या जनगणना चल रही है। यह 2027 की शुरुआत में पूरी हो जाएगी, जिसके बाद आर्थिक जनगणना का काम शुरू किया जाएगा। आर्थिक जनगणना का उद्देश्य उद्यम से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी इकट्ठा करना है। अधिकारियों ने कहा कि ये आंकड़े बाद में होने वाले सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों को आयोजित करने और लक्षित, क्षेत्रीय विकास के लिए कार्यक्रम और योजनाएं बनाने में मदद करेंगे।

एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली फ्लाइट की सीट का आर्मरेस्ट टूटा, यात्री ने पूछा- कहां है क्वालिटी कंट्रोल?

नई दिल्ली। एअर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, विशेषकर लंबी दूरी के रूटों पर यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं और केबिन की खराब स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला सैन फ्रांसिस्को से नई दिल्ली आ रही उड़ान संख्या एआइ-174 का है, जहां 22 घंटे से अधिक के इस लंबे और थकाऊ सफर में एक यात्री को बेहद खराब केबिन कंडीशन का सामना करना पड़ा। शंकर नामक एक यात्री ने एक्स पर अपनी व्यथा बयां करते हुए एक तस्वीर साझा की करते हुए पोस्ट किया कि यह एक बेहद लंबा रूट है, इसके बावजूद केबिन की स्थिति दयनीय है। उन्होंने सीट के अहम हिस्से आर्मरेस्ट के उपरी ढांचे को दर्शाया है जो सीट से बिल्कुल अलग हो चुका है। उन्होंने इसे विमानन कंपनी की गुणवत्ता नियंत्रण की विफलता करार देते हुए तत्काल जांच की मांग की है। यात्री ने पोस्ट में नागरिक उड्डयन मंत्रालय, डीजीसीए और एअर इंडिया के प्रबंधन को टैग किया। उधर एअर इंडिया ने इसका उत्तर देते हुए आंतरिक समीक्षा का आश्वासन देते हुए यात्री को हुए इस तरह के अनुभव के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। एयरलाइंस ने कहा कि हम तत्काल समीक्षा करेंगे।

आखिर क्यों आ रही हैं ऐसी समस्याएं

एअर इंडिया द्वारा सेवाओं में सुधार के तमाम दावों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में लगातार आ रही इस तरह की दिक्कतों के पीछे एअर इंडिया के बेड़े में शामिल वे वाइड-बाडी विमान हैं जो अब काफी पुराने हो चुके हैं। लंबे समय तक रखरखाव के अभाव के कारण इन विमानों की अंदरूनी सीटें, एंटरटेनमेंट स्क्रीन और चार्जिंग पोर्ट अक्सर खराब मिलते हैं।

भारत के जिगरी दोस्त पर पहले किया हमला, फिर जारी किया वीडियो, यूक्रेन के एक्शन से हिली दुनिया

» यूक्रेनी ड्रोन ने सेंट पीटर्सबर्ग के स्थित क्रोशियन टाट के एक नौसैसिक अड्डे और तेल टर्मिनल को निशाना बनाया। इसकी तस्वीरें जारी कर दी गई और जेलस्की ने अपने संदेश में कहा है कि हमलों का लक्ष्य पूरी तरह से सैन्य प्रतिष्ठान थे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। इसमें 15 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले में कई रिहायशी इमारतें तबाह हो गई और लोग मलबे में दब गए। मध्य यूक्रेन के दूनीप्रो शहर में राहतकर्मियों ने मलबे से 3 साल के एक बच्चे, उनकी मां और 8 साल के भाई के शव निकाले। नीप्रो में 12 और कीव में 6 लोगों की मौत हुई है। यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग पर हमला किया है। तस्वीरें इसकी जारी कर दी गई हैं और बताया गया है कि हम चुप नहीं बैठने वाले। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। अब यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने पुष्टि भी की है कि यूक्रेनी ड्रोन ने सेंट पीटर्सबर्ग के स्थित क्रोशियन टाट के एक नौसैसिक अड्डे और तेल टर्मिनल को निशाना बनाया। इसकी तस्वीरें जारी कर दी गई और जेलस्की ने अपने संदेश में कहा है कि हमलों का लक्ष्य पूरी तरह से सैन्य प्रतिष्ठान थे। उन्होंने बताया कि क्रोनस्टार्ट द्वीप पर स्थित उन ससैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया गया जहां रूस के बाल्टिक बेड़े के तत्व तैनात थे। जहाज निर्माण और मरम्मत से जुड़ी प्रमुख सुविधाएं मौजूद थी। इसके अलावा यूक्रेनी सेना ने रूस के तांबोश क्षेत्र में स्थित एक औद्योगिक प्रतिष्ठान पर भी हमला किया है जो कथित रूप से हथियारों के उत्पादन में शामिल था।

यह क्षेत्र यूक्रेन से लगभग 600 कि.मी. दूर है। यूक्रेन ने जिस तरीके से इस हमले को अंजाम दिया, इससे रूस भड़का हुआ है। रूस ने साफ तौर पर यह कह दिया है कि जिस तरह से यह हमला हुआ है, उसे लेकर अब रूस की तरफ से तीव्र कारवाई जारी रहेगी। सिस्टम सिस्टम इनको मिनिस्टर खुदा यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब रूसी राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन के प्रमुख आर्थिक कार्यक्रम सेंट पीटर्सबर्ग

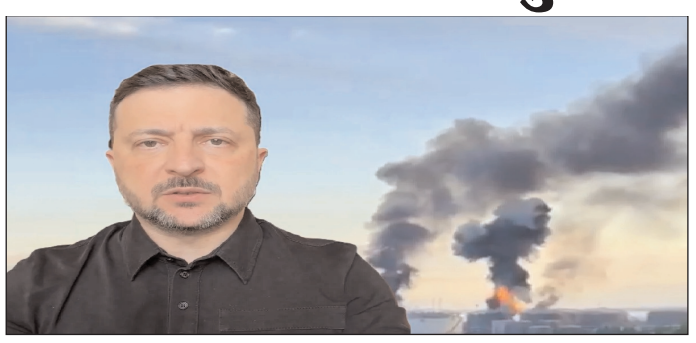

इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम की शुरुआत होने वाली थी। ऐसे में सेंट पीटर्सबर्ग पर हुआ ड्रोन हमला ना केवल सैन्य बल्कि प्रतीकात्मक रूप से और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह इकोनॉमिक फोरम रूस के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विश्लेषकों का मानना है कि यूक्रेन द्वारा रूस के भीतर इतने अंदर जाकर हमला करना और तमाम सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना बताता है कि अब युद्ध किस तरीके से बदलता चला जा रहा है और खतरा इस बात का भी बढ़ गया है कि यूक्रेन पर होने वाले हमले अब और भी ज्यादा भीषण होंगे।

रूस ने रातभर में 656 ड्रोन और 73 मिसाइलें दागीं। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने 602 ड्रोन और 40 मिसाइलों को मार गिराया या निष्क्रिय कर दिया, लेकिन कई मिसाइलें और ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। कीव, नीप्रो, पोल्टावा, खार्किव और जापोरिज्जिया प्रमुख निशाने रहे। कई इलाकों में रिहायशी भवनों, वाहनों और अन्य नागरिक ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। राजधानी की रहने वाली इरीना सालिकोवा ने बताया कि वह अपनी तीन साल की बेटी के साथ पूरी रात बाथटब में छिपकर बैठी रहीं। विस्फोट की वजह से उनके घर की खिड़कियां टूट गईं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों से सैन्य सहायता की अपील की।

पब्लिक सेवा में दिल्ली पुलिस की पीसीआर इकाई में शामिल हुईं 32 नई गश्ती गाड़ियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) इकाई को और अधिक मजबूत बनाने के लिए 32 नई गश्ती वाहनों को शामिल किया गया है। इन वाहनों को बुधवार को पुलिस मुख्यालय, जय सिंह रोड से विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन), महिला एवं बाल सुरक्षा प्रकोष्ठ तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के प्रभारी डेविड लालरिनसांगा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली पुलिस की पीसीआर इकाई संकट या आपात स्थिति में लोगों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह इकाई आपातकालीन कॉल पर तुरंत कार्रवाई करने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जरूरतमंद नागरिकों तक शीघ्र सहायता पहुंचाने का कार्य करती है।नई गश्ती गाड़ियों को दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, रोहिणी, बाहरी, बाहरी उत्तर, उत्तर, उत्तर-पूर्व, शाहदरा, पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और मध्य जिलों में तैनात किया जाएगा। इससे पुलिस की क्षेत्रीय पहुंच बढ़ेगी, गश्त व्यवस्था मजबूत होगी और पीसीआर की कार्यक्षमता में सुधार आएगा। दिल्ली पुलिस के अनुसार जिन क्षेत्रों में पीसीआर कॉल की संख्या अधिक रहती है, वहां पुलिस की प्रतिक्रिया समय को कम करने और सेवा को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इन वाहनों को शामिल किया गया है। नई गाड़ियों के शामिल होने से आपातकालीन स्थितियों में पुलिस और तेजी से मौके पर पहुंच सकेगी तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। इन 32 नई गाड़ियों के शामिल होने के बाद दिल्ली पुलिस के पीसीआर गश्ती वाहनों की कुल संख्या 857 से बढ़कर 889 हो गई है। इससे दिल्ली पुलिस की आधुनिकीकरण, कार्यकुशलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी।

किलर : एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान सिलेंडर फटने से हादसा, एक क्रू मेंबर की मौत; तीन घायल

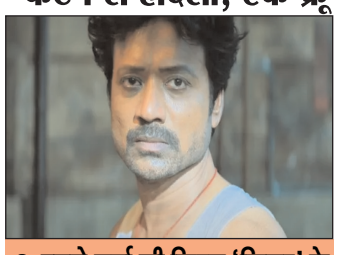

● एसजे सूर्या की फिल्म 'किलर' के सेट पर एक दुखद हादसा हुआ है, जिसमें एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान गैस सिलेंडर फटने से एक तकनीशियन की मौत हो गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अभिनेता-फिल्म निर्माता एसजे सूर्या की अपकमिंग फिल्म 'किलर' (किलर) के सेट पर एक दुखद दुर्घटना हो गई है। इसमें एक टेक्निशियन की जान चली गई जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। यह घटना 3 जून की सुबह चेन्नई के पेरम्बूर स्थित बिन्नी मिल्स कॉम्प्लेक्स में एक महत्वपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान घटी। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, बम विस्फोट के सीन्स की शूटिंग के दौरान इस्तेमाल किया जा रहा एक गैस सिलेंडर अचानक फट गया, जिससे सेट पर अफरा-तफरी मच गई। तकनीशियनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनमें से एक ने दम तोड़ दिया।

तीन क्रू सदस्य हुए घायल

घायल तकनीशियनों की पहचान मदुरवोयल के मदन उम्र 26 साल , कुन्द्रथुर के शक्तिवेल (27), मदुरवोयल के सूर्या (23) और नेरकुन्द्रम के दिनकरन (24) के रूप में हुई है। कुछ रिपोर्टों में पांच क्रू सदस्यों के घायल होने का दावा किया गया है, लेकिन इससे अधिक संख्या के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सभी घायल कर्मचारियों को राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। मदन ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि बाकी तकनीशियनों का इलाज जारी है। ये सभी कथित तौर पर स्पेशल इफेक्ट्स डिपार्टमेंट से संबंधित हैं।

क्या है विस्फोट का असली कारण?

विस्फोट के तुरंत बाद पुलिस और इमरजेंसी रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने मामला दर्ज कर विस्फोट के सटीक कारण की जांच शुरू कर दी है। जांचकर्ताओं को यह भी पता लगाना है कि क्या सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए थे या दुर्घटना किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। अभी इस बारे में भी पर्याप्त जानकारी नहीं है कि दुर्घटना के समय एसजे सूर्या सेट पर मौजूद थे या नहीं। अभिनेता-निर्देशक और फिल्म 'किलर' के निर्माताओं ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

मालवीय नगर अग्निकांडः कौन है 21 लोगों की मौतों का जिम्मेदार?

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के साकेत स्थित हौज रानी इलाके में हुए भीषण अग्निकांड में 21 लोगों की मौत ने राजधानी में गेस्ट हाउस, होटल और रेस्तरां संचालन की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस एक मंजिला भवन को केवल छह कमरों के गेस्ट हाउस की अनुमति मिली थी, वहां छह मंजिला होटल बनाकर 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किए जा रहे थे। आग लगने के समय भवन में 80 से 100 लोगों की मौजूदगी बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक बताए जा रहे हैं। ऐसे में यह हादसा केवल आग का नहीं, बल्कि नियमों की अनदेखी, विभागीय लापरवाही और प्रशासनिक विफलता का मामला बन गया है। जांच का दायरा केवल आग लगने के कारणों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जांच यह भी तय करे कि किस अधिकारी, किस विभाग और किस स्तर पर लापरवाही हुई।

गेस्ट हाउस, होटल या लॉज को संचालित करने के नियम

भवन निर्माण की स्वीकृति और उपयोग की अनुमति, दिल्ली अग्निशमन सेवा (फायर एनओसी), पुलिस लाइसेंस, नगर निगम का ट्रेड लाइसेंस, विद्युत एवं सुरक्षा मानकों का अनुपालन, निर्धारित क्षमता और कमरे की संख्या का पालन, आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट), फायर अलार्म, स्प्रिंकलर, अग्निशामक यंत्र और धुआं निकालने की व्यवस्था।

तेलंगाना में भाजपा का सत्ता में आना निश्चित- राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना भवन दिल्ली के अंबेडकर ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने शिरकत की।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी निश्चित रूप से तेलंगाना में सत्ता में आएगी।उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में तेलंगाना की जनता भाजपा को अपना पूर्ण समर्थन देगी। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम 2 मई को संपन्न हुआ इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली प्रवासी तेलंगाना निवासियों द्वारा किया गया और इसकी अध्यक्षता भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन.रामचंदर राव ने की।मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा हमेशा ही छोटे राज्यों के गठन की प्रबल समर्थक रही है।उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्यों का गठन किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना के गठन के लिए संसद में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. सुषमा स्वराज द्वारा दिया गया पूर्ण समर्थन ऐतिहासिक है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी, सांसद रघुनंदन राव, संगठन महासचिव श्री चंद्रशेखर जी, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय सोशल मीडिया सदस्य श्री पेरिका सुरेश, श्री एन. वी. सुभाष सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

इस विशेष अवसर पर तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी राष्ट्रवादी पार्टी है जिसे जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। तेलंगाना में भी भाजपा को लगातार व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहे हैं ऐसे में आगामी विधानसभा एवं संसदीय चुनाव में भाजपा को तेलंगाना की जनता ऐतिहासिक जीत दिलाएगी।इस अवसर पर पेरिका सुरेश ने कहा कि राज्य के गठन के बाद नई दिल्ली में तेलंगाना स्थापना दिवस को इतने भव्य पैमाने पर मनाया जाना अत्यंत खुशी की बात है। आयोजकों ने नितिन नबीन का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया।तेलंगाना की संस्कृति, इतिहास और राज्य आंदोलन में प्रमुख हस्तियों के योगदान को उजागर करने वाले इस समारोह से दिल्ली में रहने वाले तेलंगाना निवासियों में भारी उत्साह देखा गया।

आज भी Gen Z की पहली पसंद है 56 साल पुराना ये गाना, क्लासिक गाने पर झूम रहे हैं यंगस्टर्स; जमकर बना रहे रील्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मोहम्मद रफी की आवाज में वो जादू था कि उन्होंने जिस गाने को भी गाया हमेशा के लिए अमर बना दिया। आज हम जिस सदाबहार गाने की बात करने वाले हैं वो अपनी रिलीज के इतने साल बाद भी उतना ही फ्रेश और एनर्जेटिक लगता है।

वायरल हो रहा सस्पेंस थ्रिलर का गाना

फिर चाहें 70 का दशक हो या आज का, इस गाने का जादू कम नहीं हुआ है। यही वजह है कि आज भी इस पर जमकर खूब रील्स बनाई जाती हैं। आज हम जिस एवरग्रीन गाने के बारे में आपको बताने वाले हैं वो साल 1970 में आई सस्पेंस थ्रिलर 'द ट्रेन' में इस्तेमाल किया गया था। 'गुलाबी आंखे जो तेरी देखी' आज भी अगर कहीं बजता है तो मन अपने आप रोमांटिक हो जाता है।

आनंद बख्शी ने लिखे थे बोल

इस गाने को राजेश खन्ना और अभिनेत्री नंदा पर फिल्माया गया है। गाने में राजेश खन्ना के सिग्नेचर स्टाइल ने युवाओं को अपना दीवाना बना दिया था। यही वजह है कि आज भी इस गाने को उतना ही प्यार मिलता है। रफी साहब ने जिस चुलबुलेपन और मस्ती भरे अंदाज में इसे गाया था उसने तो मानों गाने में जान ही फूंक दी। गाने के बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे।

सबसे ज्यादा बार किया गया रिक्रिएट

इस गाने के बोल और रिफ्रेशिंग टोन की वजह से ही गुलाबी आंखे उन गानों में से एक है जिसके सबसे ज्यादा रीमेक और कवर वर्जन बने हैं। इस गाने को आज की जनरेशन के बीच दोबारा सबसे ज्यादा पॉपुलर बनाने का श्रेय 'सनम' बैंड को जाता है। सनम पुरी ने अपने बैंड के साथ मिलकर इस गाने को फिर रिक्रिएट किया। यूट्यूब पर उनके कवर वर्जन को करोड़ों व्यूज मिले हैं। इसके अलावा साल 2012 में आई स्टूडेंट ऑफ द ईयर और साल 2017 की फिल्म नूर में इसके मॉर्डन वर्जन का इस्तेमाल किया गया है। आज भी अगर किसी महफिल में ये गाना बजता है तो समा बंध जाता है।

'मैं बेकसूर हूं, मुकदमा लड़ूंगी', 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडिस का आरोपों से इनकार

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने बालीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने 200 करोड़ रुपये के वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से इनकार कर दिया है। जैकलीन बुधवार को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश हुई और कहा कि वह मुकदमे का सामना करेंगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने इससे पहले जैकलीन पर आरोप तय करते हुए कहा था कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री प्रथमदृष्टया यह संदेह पैदा करती है कि जैकलीन फर्नांडिस ने पीएमएलए की धारा तीन के तहत अपराध किया, जो धारा चार के तहत दंडनीय है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि अपराध से अर्जित धन के इस्तेमाल को छिपाने में उनकी सुकेश चंद्रशेखर के साथ मिलीभगत होने के पर्याप्त संकेत हैं। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के वसूली रैकेट और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है। मामले की जांच ईडी पीएमएलए के तहत कर रही है। अदालत ने हाल ही में जैकलीन, सुकेश चंद्रशेखर, उनकी पत्नी लीना व अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

उत्तर-पूर्व भारत में सतत विकास पर असम विश्वविद्यालय की दो शोध पुस्तकों का विमोचन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

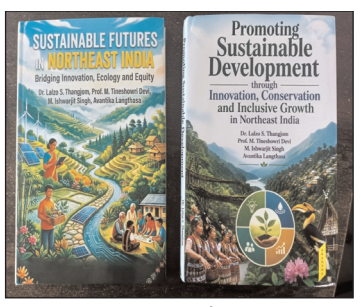

श्रीभूमि: सिलचर, 3 जून। उत्तर-पूर्व भारत में सतत विकास के विभिन्न आयामों पर केंद्रित दो महत्वपूर्ण शोध पुस्तकों का विमोचन असम विश्वविद्यालय में किया गया। समाजकार्य विभाग द्वारा आयोजित नॉर्थ ईस्ट इंटरनेशनल सस्टेनेबल समिट के अंतर्गत बुधवार को आयोजित एक समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत तथा कुलसचिव डॉ. प्रदोष किरण नाथ ने पुस्तकों का लोकार्पण किया। कुलपति कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. लालजो एस. थांगजम, प्रो. एम. तिनेश्वरी देवी, प्रो. मौसुम हैंडिक, एम. ईश्वरजीत सिंह, अवंतिका लांगथासा, एन. सुभाइसिनी देवी सहित अनेक शिक्षाविद एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विमोचित पहली पुस्तक 'Promoting Sustainable Development through Innovation, Conservation and Inclusive Growth in Northeast India' है। इसमें उत्तर-पूर्व भारत की विशिष्ट पर्यावरणीय, सांस्कृतिक एवं विकासात्मक परिस्थितियों के संदर्भ में सतत विकास के विविध पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई है। पुस्तक में महिला उद्यमिता, पारंपरिक आजीविका, आदिवासी ज्ञान प्रणालियां, जलवायु-सहिष्णु कृषि, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सुशासन तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को समाहित किया गया है। अंतरविषयक एवं समाज-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से स्थानीय अनुभवों, सांस्कृतिक विविधता और जमीनी स्तर के नवाचारों को विशेष महत्व दिया गया है।

दूसरी पुस्तक 'पूर्वोत्तर भारत में सतत भविष्यः नवाचार, पारिस्थितिकी और समानता का सेतु' में सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत विचारों एवं चर्चाओं के निष्कर्षों को संकलित किया गया है। पुस्तक में जनस्वास्थ्य, डिजिटल लोकतंत्र, पर्यावरण-आधारित पर्यटन, समुदाय-आधारित शासन व्यवस्था, वित्तीय समावेशन, सतत कृषि, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, समाजकार्य हस्तक्षेप, लैंगिक समानता, जलवायु कार्रवाई तथा आदिवासी ज्ञान प्रणालियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का विश्लेषण किया गया है। उल्लेखनीय है कि दोनों पुस्तकों का संयुक्त संपादन डॉ. लालजो एस. थांगजम, प्रो. एम. तिनेश्वरी देवी, एम. ईश्वरजीत सिंह तथा अवंतिका लांगथासा ने किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे उत्तर-पूर्व भारत में सतत विकास संबंधी शोध और अकादमिक विमर्श को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

सिलापथार में नाथ योगी डेवलपमेंट काउंसिल असम के सिलाई मशीनें वितरण ओर बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। सिलापथार के नतून गांव स्थित सर्वजनिन श्री श्री काली मंदिर के परिसर में एक आज एक सभा बुलाई गई सभा में नाथ योगी उन्नयन परिषद असम द्वारा धेमाजी जिले में 2024-25 वित्त के राज्य सरकार द्वारा दिए गए फंड की मटीरियल योजना के तहत भेजी गई सिलाई मशीनें वितरण के लिए एक आम सभा आयोजन किया गया। जिला नाथ योगी सम्मेलन के उपाध्यक्ष बनेश्वर नाथ कि अध्यक्षता में हुई बैठक का उद्देश्य व्याख्या की उन्नयन परिषद के धेमाजी जिला सदस्य संजय नाथ ने।

सभा धेमाजी जिला नाथ योगी सम्मेल के अधीन के गोगामुख मोहरी कैंप, धेमाजी बिष्णुपुर, सिलापथार, भैरबपुर, शिवनगर, चिमेन चपारी और जोनाई आंचलिक समिति से चुने गए के गरीबी रेखा से नीचे की महिला आवेदकों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने एक एक सिलाई मशीन दिए गए। धेमाजी जिले में नाथ धर्म प्रचार-प्रसार ओर धर्म सोमारोह में अगले महीने योगी गुरू शिवनाथ महाराज जी के आगमन संदर्भ में बैठक में विस्तारित चर्चा के बाद महत्वपूर्ण सिद्धांत लिया गया।

सभा में उपस्थित कई वक्ताओं असम में नाथ योगी समुदाय के धर्मीय आधार के साथ सामाजिक, शिक्षा और आर्थिक दिशा पर ध्यान रखते हुए भाषण दी एवं राज्य सरकार से नाथ योगी समुदायों के विभिन्न राजनैतिक समस्याओं को समाधान ओर समुदाय को जिस गति में विकास के आशा की गई थी सरकार उस पर ना उतार पाने की दुख जताते हुए मौजूदा नई सरकार नाथ योगी कम्युनिटी के विकास के लिए काम करने की उम्मीद जताते हुए।जिन्हें आज सिलाई मशीनें मिली हैं कि वे इनका ईमानदारी से इस्तेमाल करें और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोचाहित किया। बैठक में नाथ योगी छात्र संघ के केंद्रीय साधारण संपादक दीपक नाथ, जिला नाथ योगी सम्मेलन के संपादक सजल कुमार नाथ, जिला नाथ योगी छात्र संघ के संपादक सुनील नाथ, पूर्व जिला सभापति सजल देव नाथ, जिला नाथ योगी छात्र संघ के उपाध्यक्ष योगी सुबेश नाथ, सह संपादक मनोज नाथ, महिला सम्मेलन के अध्यक्षा रूपाली नाथ, जिला छात्र संघ के महिला कुष के अध्यक्षा जयंती नाथ, कानू नाथ, बिमल नाथ, भूपेन नाथ के साथ जिले की विभिन्न प्रांत से भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे करियर में आने वाला है अहम पड़ाव, आर-पार का हो सकता है मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दो बड़े स्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं। इन दोनों की नजरें अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप पर हैं। हालांकि, दोनों की जगह टीम में पक्की नहीं है, लेकिन दोनों हार मानने वाले नहीं हैं। इसे देखते हुए दोनों ही खिलाड़ियों के वर्ल्ड कप खेलने के सपने में अहम पड़ाव आने वाला है। भारत को इसी साल अक्टूबर और दिसंबर में न्यूजीलैंड का दौरा करना है। इस दौरे पर टीम इंडिया दो टेस्ट, पांच वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। ये न्यूजीलैंड में भारत का अब तक का सबसे बड़ा दौरा भी होगा। इस दौरे पर खेली जाने वाली वनडे सीरीज दोनों के लिए अहम होगी।

वर्ल्ड कप का टिकट दांव पर ये दौरा कोहली और रोहित का आखिरी न्यूजीलैंड दौरा भी हो सकता है। दोनों ही अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इन दोनों को शानदार रिसेप्शन मिला था। इसी कारण ये माना जा रहा है कि ये दोनों आखिरी बार न्यूजीलैंड बतौर क्रिकेटर आ रहे हैं। लेकिन ये दोनों के लिए मौका भी है। अगर इस दौरे पर दोनों ने शानदार खेल दिखाया तो वनडे वर्ल्ड कप की रेस में दोनों बने रहेंगे, लेकिन अगर फेल हुए तो टिकट कट सकता है। टीम मैनेजमेंट पहले ही ये इशारा कर चुका है कि वह इन दोनों को वर्ल्ड कप के लिए नहीं देख रहा है।

100 साल होंगे पूरे ये सीरीज दोनों टीमों के लिए काफी अहम है क्योंकि ये दोनों देशों के 100 साल के क्रिकेट संबंधों का जश्न के तौर पर खेली जाएगी। 40 दिन का ये दौरा 22 अक्तूबर से शुरू होगा जब क्राइस्टचर्च में पहला टी20 मैच खेला जाएगा। टी20 सीरीज के बाद वनडे सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। वहीं टेस्ट सीरीज की शुरुआत 19 नवंबर से होगी।